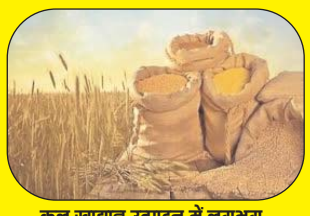

कुल खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 8% की रिकॉर्ड वृद्धि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

सम्राट चौधरी ने ली मंत्री पद की शपथ

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 321 | रायपुर | शुक्रवार 21 नवंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

अंबिकापुर पहुंची राष्ट्रपति सीएम साय ने किया स्वागत

एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज अंबिकापुर दौरे पर पहुंचीं। गांधी स्टेडियम हेलीपेड पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व राज्यपाल रमेन डेका ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में सरगुजा जिले के पीजी कॉलेज ग्राउंड में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस 2025 के कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, राज्यमंत्री दुर्गा दास उईके, तोखन साहू सहित कई मंत्री और सांसद उपस्थित रहे। आभूषण, वाद्ययंत्र और पारंपरिक व्यंजन प्रदर्शनी कार्यक्रम में जनजातियों द्वारा बनाए जाने वाले गिलट, तांबा, चांदी और सोने के पारंपरिक आभूषण का प्रदर्शन किया गया।

नीतीश कुमार-सम्राट चौधरी-विजय सिन्हा समेत 27 ने ली शपथ, पीएम मोदी-शाह-नायडू भी रहे मौजूद

10वीं बार मुख्यमंत्री बने नीतीश

नईदिल्ली,एजेंसी

पटना के गांधी मैदान में गुरुवार, 20 नवंबर 2025 को इतिहास दोहराया गया। जेडीयू नेता नीतीश कुमार ने दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। पूरे मैदान में उत्साह, सुरक्षा और सियासी हलचल का ऐसा माहौल था जो बिहार की राजनीति के बड़े बदलावों का संकेत देता दिखा।

शपथ लेते ही नीतीश कुमार मंच पर मौजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। इस बार समारोह में एक दिलचस्प और नया अंदाज भी देखने को मिला। पीएम मोदी ने मंच से परंपरागत बिहारी अंदाज में गमछा लहराकर लोगों का अभिवादन किया। भीड़ ने भी जोरदार तालियों और नारों के साथ इसका स्वागत किया। राजनीतिक आयोजन में यह नया स्टाइल खूब चर्चा में रहा।

मुख्यमंत्री के बाद सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद राज्यपाल ने मंत्रियों के समूहों को बुलाकर शपथ दिलाई। प्रमुख मंत्रियों में शामिल रहे- विजय कुमार चौधरी, विजेंद्र कुमार यादव, श्रवण कुमार, मंगल पांडे, दिलीप जायसवाल, अशोक चौधरी, लेशी सिंह, मदन सहनी, नितिन नवीन, रामकृपाल यादव, संतोष कुमार सुमन, सुनील कुमार, मोहम्मद जमा खान, संजय सिंह टाइगर, अरुण शंकर प्रसाद, सुरेंद्र मेहता, नारायण प्रसाद, रमा निषाद, लखेंद्र कुमार रौशन, श्रेयसी सिंह, प्रमोद कुमार, संजय कुमार, संजय कुमार सिंह और दीपक प्रकाश।

नीतिश के अलावा 26 विधायकों ने ली मंत्रीपद की शपथ

1. सम्राट चौधरी 2. विजय सिन्हा 3. विजय चौधरी। 4. बिजेंद्र प्रसाद यादव। 5. श्रवण कुमार। 6. मंगल पांडेय। 7. दिलीप जायसवाल। 8. अशोक चौधरी। 9. लेशी सिंह। 10. मदन सहनी। 11. नितिन नवीन। 12. रामकृपाल यादव। 13. संतोष सुमन। 14. सुनील कुमार। 15. मोहम्मद जमा खान। 16. संजय सिंह टाइगर। 17. अरुण शंकर प्रसाद। 18. सुरेंद्र मेहता। 19. नारायण प्रसाद। 20. रमा निषाद। 21. लखेंद्र कुमार रौशन। 22. श्रेयसी सिंह। 23. प्रमोद कुमार। 24. संजय कुमार। 25. संजय कुमार सिंह। 26. दीपक प्रकाश कुशवाहा

10वीं बार सीएम बनने पर बधाई देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 'श्री नीतीश कुमार जी को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बहुत-बहुत बधाई। वे एक कुशल और अनुभवी प्रशासक हैं। राज्य में सुशासन का उनका शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। नए कार्यकाल के लिए उन्हें मेरी हार्दिक शुभकामनाएं!' पीएम मोदी ने अगले ट्वीट में लिखा कि 'श्री सम्राट चौधरी जी और श्री विजय सिन्हा जी को बिहार के उप मुख्यमंत्री बनने पर ढेरों बधाई। जमीनी स्तर पर दोनों नेताओं के पास जनसेवा का लंबा अनुभव है। उन्हें भी मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं!'

इसके बाद प्रधानमंत्री ने शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों को भी बधाई और शुभकामनाएं दी।

ईडी का बड़ा एक्शन; अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप की 1,400 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त कीं

मुंबई । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) ग्रुप पर बड़ा एक्शन लिया है और 1,400 करोड़ रुपए की वैल्यू की नई अचल संपत्तियां जब्त की हैं। सूत्रों की ओर से दी गई जानकारी में बताया कि नए कदम के बाद ईडी की ओर से जब्त की गई संपत्तियों की वैल्यू बढ़कर करीब 9,000 करोड़ रुपए हो गई है। ईडी की ओर से संपत्तियां ऐसे समय पर जब्त की जा रही हैं, जब जांच एजेंसी पूछताछ के लिए अनिल अंबानी को कई बार समन भेज चुकी है और वह पेश नहीं हुए हैं। रिलायंस एडीएजी के चेयरमैन अनिल अंबानी को 17 नवंबर को ईडी के दिल्ली मुख्यालय में जयपुर-रींगस हाईवे प्रोजेक्ट से जुड़ी फेमा जांच में दूसरी बार पेश होना था, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया और वर्चुअल पेशी का प्रस्ताव रखा।

लाल किले के पास धमाका मामले में चार और आरोपी गिरफ्तार, एनआईए टीम ने जम्मू-कश्मीर से हिरासत में लिया

नई दिल्ली दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास 10 नवंबर को हुए ब्लास्ट की घटना की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी सफलता हासिल की। एजेंसी ने इस मामले में चार और प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद गिरफ्तारियों की कुल संख्या बढ़कर छह हो गई है।

एनआईए की ओर से गुरुवार को जारी प्रेस नोट में कहा गया कि जांच एजेंसी ने इन चारों आरोपियों को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से हिरासत में लिया। उन्हें पटियाला हाउस कोर्ट के जिला सत्र न्यायाधीश द्वारा जारी प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया। एजेंसी ने जिन आरोपियों को पकड़ा है, उनकी पहचान डॉ. मुजम्मिल शकील गनाई (पुलवामा, जम्मू-कश्मीर), डॉ. अदील अहमद राथर (अनंतनाग, जम्मू-कश्मीर), डॉ. शहीन सईद (लखनऊ, उत्तर प्रदेश) और मुफ्ती इरफान अहमद वगाय (शोपियां, जम्मू-कश्मीर) के रूप में की है। एनआईए की प्राथमिक जांच के अनुसार, इन सभी आरोपियों ने दिल्ली में हुए इस आतंकी हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी।

छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच सदियों पुराना बेटी-रोटी का रिश्ता : राष्ट्रपति

एजेंसी

जनजातीय गौरव दिवस 2025 के मौके पर अंबिकापुर पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच सदियों पुराने बेटी-रोटी के रिश्ते को फि र याद दिलाया. उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति केवल परंपरा नहीं, बल्कि इस देश की आत्मा है, जिसे जल-जंगल-जमीन के साथ और अधिक मजबूत करने की जरूरत है. राष्ट्रपति के संबोधन में भावनाएं, अपनापन और जनजातीय समाज के प्रति गहरा सम्मान साफ झलकता है.

राष्ट्रपति मुर्मू ने अंबिकापुर से दी शुभकामनाएं जनजातीय गौरव दिवस पर आयोजित इस बड़े कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि छत्तीसगढ़ के 25 साल पूरे होना पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है. उन्होंने

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की और कहा कि इस दिन का हिस्सा बनना उनके लिए सौभाग्य है.

कार्यक्रम में मौजूद रहे वरिष्ठ नेता - अंबिकापुर में हुए इस आयोजन में राज्यपाल रमेश डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय आदिवासी विकास मंत्री, केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू और कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम भी मंच पर मौजूद रहे. राष्ट्रपति के पहुंचते ही कार्यक्रम का माहौल और अधिक गरिमामयी हो गया.

छत्तीसगढ़-ओडिशा के रिश्ते को किया याद - अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि अंबिकापुर से ओड़िसा और झारखंड की दूरी भले ही कुछ सौ किलोमीटर हो, लेकिन इन राज्यों की संस्कृतियां एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हैं. उन्होंने मुस्कुराते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा के लोग एक-दूसरे के यहां शादियां करते हैं, यही वजह है कि दोनों राज्यों का संबंध बेटी-रोटी का माना जाता है. यह रिश्ता सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही दोस्ती है.

आदिवासी संस्कृति को संभाले रखने पर आभार जताया राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय समाज ने अपनी परंपराओं को आज भी जीवित रखा है, जो बहुत बड़ी बात है. उन्होंने कहा कि वे खुद भी जनजातीय समाज से आती हैं और इस पर उन्हें गर्व है. उन्होंने कहा कि ÷मैं पहले भी इस संस्कृति को जीती थी, और आज भी इसे उसी आत्मा के साथ जीती हूं.÷

एमपी में पीएम श्री हेलीकॉप्टर वायु सेवा शुरू: पचमढ़ी और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के लिए भोपाल से मढ़ई- पचमढ़ी पहुंच सकेंगे

नर्मदापुरम एजेंसी।

मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले में पर्यटन के लिए विशेष दिन है। आज से जिले के पर्यटन क्षेत्र पचमढ़ी और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व दर्शन के लिए भोपाल से मढ़ई - पचमढ़ी पीएम श्री हेलीकॉप्टर वायु सेवा का शुभारंभ किया गया। इस हेलीकाप्टर वायु सेवा के माध्यम से देश - प्रदेश के पर्यटक कम समय में पचमढ़ी और मढ़ई पहुंच सकेंगे, पीएम श्री हेलीकॉप्टर वायु सेवा शुरू होने से जिले में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा जो पर्यटक दूरी अधिक होने से और सफर के दौरान समय अधिक लगने के चलते पचमढ़ी और मढ़ई नहीं आ पाते थे अब वह पर्यटक भी पचमढ़ी और मढ़ई के प्राकृतिक धरोहर के दर्शन कर सकेंगे।

भारत की बढ़ेगी सैन्य क्षमता, अमेरिका के साथ 47.1 मिलियन डॉलर की डील; मिलेंगे ये खतरनाक हथियार

नई दिल्ली एजेंसी।

भारत और अमेरिका के बीच एक बड़े सैन्य समझौते का रास्ता साफ हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भारत के लिए 47.1 मिलियन डॉलर की हथियार बिक्री को मंजूरी दे दी है। इसके बाद भारत को जेवलिन एंटी-टैंक मिसाइल और एक्सकैलिबर सटीक-निर्देशित आर्टिलरी राउंड्स मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी (DSCA) ने कांग्रेस को भेजी अधिसूचना में बताया है कि भारत सरकार ने 100 स्तरू148 जेवलिन मिसाइल राउंड्स, 1

जेवलिन FGM-148 फ्लाई-टू-बाय मिसाइल और 25 लाइटवेट कमांड लॉन्च यूनिट्स (LwCLU) या ब्लॉक-1 कमांड लॉन्च यूनिट्स (CLU) खरीदने का अनुरोध किया है। इसके अलावा भारत 216 एक्सकैलिबर आर्टिलरी राउंड्स भी खरीदेगा।

डीएससीए ने कहा कि अमेरिकी विदेश विभाग ने 47.1 मिलियन डॉलर की अनुमानित लागत से एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और अन्य उपकरणों की संभावित बिक्री को मंजूरी दी है। एजेंसी के अनुसार, इन हथियारों को भारतीय सेना में शामिल करने में किसी प्रकार की तकनीकी या परिचालनिक मुश्किल नहीं आएगी। साथ ही, इस सौदे से क्षेत्रीय सैन्य संतुलन पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा।

क्या है जेवलिन मिसाइल सिस्टम? जेवलिन दुनिया की सबसे उन्नत पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों में से एक है, जिसे लॉकहीड मार्टिन और RTX ने संयुक्त रूप से विकसित किया है।

व्यापार | देश के टेक्सटाइल मार्केट को 350 अरब डॉलर का बनाना लक्ष्य

भारत का मानव-निर्मित फाइबर और टेक्निकल टेक्सटाइल का निर्यात तेजी से बढ़ा

एजेंसी

मुंबई , भारत का मानव-निर्मित फाइबर और टेक्निकल टेक्सटाइल का निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में क्रमश- 6.5 प्रतिशत और 15 प्रतिशत बढ़ रहा है। यह दिखाता है कि देश का टेक्सटाइल सेक्टर तेजी से विकास कर रहा है। यह जानकारी केंद्रीय टेक्सटाइल और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा की ओर से दी गई। उन्होंने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य विकसित भारत 2047 विजन के तहत देश के टेक्सटाइल निर्यात को 2030 तक 100 अरब डॉलर और देश के टेक्सटाइल मार्केट को 350 अरब डॉलर का बनाना है। साथ ही कहा कि वैश्विक बाजार में मांग तेजी से बढ़ रही है और भारत अंतरराष्ट्रीय

बाजार में एक बड़ी हिस्सेदारी के लिए तैयार है। भारत हाई-क्वालिटी उत्पादों के जरिए वैश्विक स्तर पर अपनी जगह बनाने में कामयाब हो रहा है और दुनिया के बड़े टेक्सटाइल आयातकों के लिए एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभर रहा है।

मार्गेरिटा ने मुंबई में मैनमेड एंड टेक्निकल टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (एमएटीईएक्सआईएल) के 2023-24 और 2024-25 के एक्सपोर्ट अवॉर्ड फंक्शन को संबोधित करते हुए कहा, ÷टेक्सटाइल की ग्लोबल डिमांड अब तक के सबसे उच्चतम स्तर पर है, और दुनिया तेजी से हाई-परफॉर्मेंस, फंक्शनल और सस्टेनेबल मटीरियल की तरफ जा रही है। भारत इस बदलाव का जवाब मजबूती और कॉन्फिडेंस के साथ दे रहा है।÷ केंद्रीय मंत्री ने टेक्निकल टेक्सटाइल में एक्सपोर्ट एक्सीलेंस के लिए अवॉर्ड दिए। इस सेक्टर के करीब 80 बेहतरीन परफॉर्मर्स को अलग-अलग कैटेगरी में सम्मानित किया गया। मार्गेरिटा ने कहा कि यह सेलिब्रेशन सिर्फ विजेताओं को पहचानने के बारे में नहीं था, बल्कि हर उस वर्कर, इंजीनियर, डिजाइनर, एंटरप्रेन्योर और एक्सपोर्टर को भी पहचान देने के बारे में था जो टेक्सटाइल सेक्टर को आगे बढ़ाते हैं।

नेपाल में शांत माहौल टूटते ही अचानक भड़का उग्र Gen-Z युवा आंदोलन, बारा में कर्फ़्यू लागू

एजेंसी

बारा.नेपाल में Gen-z युवाओं का आंदोलन एक बार फिर तेज़ हो गया है। दो महीने की शांति के बाद बुधवार को हुए टकराव के अगले ही दिन गुरुवार को हालात फि र बिगड़ गए, जिसके बाद बारा ज़िले के सिमरा क्षेत्र में कर्फ़्यू लागू करना पड़ा। प्रशासन ने दोपहर 1 बजे से रात 8 बजे तक के लिए कर्फ़्यू आदेश जारी किया है ताकि हालात को काबू में रखा जा सके। यह वही इलाक़ा है जहां बुधवार को छह प्रदर्शनकारी घायल हुए थे, जब उनका सामना CPN-UML कार्यकर्ताओं से हुआ था।

सुबह से ही बड़ी संख्या में युवा प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरते नजर आए। खुद को 'Gen जेड' बताने वाले ये युवा पिछले कुछ महीनों से नेपाल की राजनीतिक गतिविधियों, सोशल मीडिया प्रतिबंध और सरकार की नीतियों के विरोध में लगातार आवाज़ उठा रहे हैं। गुरुवार को प्रदर्शनकारियों

और पुलिस के बीच फिर झड़पें हुईं, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। स्थिति तनावपूर्ण रहने पर प्रशासन को कर्फ़्यू लगाना पड़ा।

असिस्टेंट चीफडिस्ट्रिक्ट ऑफिसर छबीरामन सुबेदी के मुताबिक़, ÷पुलिस पर फि र से हमला हुआ, हालात नियंत्रण से बाहर जाते दिखे, इसलिए कर्फ़्यू दोबारा लागू किया गया है।÷ उनका कहना है कि सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है और हालात की लगातार निगरानी की जा रही है।

बारा ज़िले में तनाव की शुरुआत UML नेताओं के संभावित दौरे से हुई थी। पार्टी के वरिष्ठ नेता और CPN-UML के महासचिव शंकर पोखरेल तथा युवा नेता महेश बस्नेत गुरुवार को एक जनसभा को संबोधित करने के लिए सिमरा आने वाले थे। PTI के अनुसार, जब दोनों नेताओं को लेकर जा रही बुद्ध एयर की फ्लाइट काठमांडू से उड़ान भरने ही वाली थी, तभी आंदोलनकारियों ने विरोध तेज़ कर दिया। प्रदर्शनकारियों की भीड़ को देखते हुए पुलिस ने एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ाई, लेकिन हालात बिगड़ते देख पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी और एयरपोर्ट के संचालन को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। यह पहली बार नहीं है जब नेपाल में Gen-Z आंदोलन ने राजनीतिक ढांचे को हिला दिया हो। इसके पहले सितंबर में देशभर में चले बड़े आंदोलन में 76 लोग मारे गए थे। उस समय सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर अस्थायी प्रतिबंध लगाए जाने के बाद नाराज़ युवाओं ने इसे नागरिक स्वतंत्रता पर हमला बताया था और बड़े पैमाने पर सड़क विरोध शुरू कर दिया था। इन प्रदर्शनों की परिणति उस वक्त हुई जब तत्कालीन प्रधानमंत्री और UML प्रमुख केपी शर्मा ओली को इस्तीफ़ा देना पड़ा। इसके बाद देश में पहली बार किसी महिला को अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया – सुप्रीम कोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कर्की ने 73 वर्ष की उम्र में पदभार संभाला। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंदोलन नेपाल के सामाजिक-राजनीतिक ढांचे में गहरे बदलाव का संकेत दे रहा है। नई पीढ़ी सोशल मीडिया के ज़रिए संगठित होकर अधिक मुखरता से सरकार के सामने सवाल रख रही है। हालांकि सरकार इसे कानून-व्यवस्था की समस्या बता रही है, लेकिन विपक्ष और नागरिक संगठन इसे युवा असंतोष का उभार मान रहे हैं, जिसकी अनदेखी लंबे समय तक संभव नहीं। भारत-नेपाल सीमा से लगे इलाक़ों में भी इसकी सरगर्मियों का असर दिख रहा है। हाल ही में भारत और नेपाल के बीच सीमा मुद्दों पर होने वाली वार्ताओं के दौरान भी कूटनीतिक हलकों में यह चर्चा रही कि नेपाल का आंतरिक अस्थिर माहौल सीमाई इलाक़ों पर प्रभाव डाल सकता है।

शेख हसीना के बेटे साजीब वाजेद ने पीएम मोदी का किया धन्यवाद : यूनुस मेरी मां को छू भी नहीं सकते'

एजेंसी

ढाका बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल (आईसीटी) की ओर से मिली मौत की सजा को लेकर उनके बेटे और अवामी लीग पार्टी के सदस्य साजीब वाजेद ने एजेंसी से एक्सक्लूसिव बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यूनुस सरकार पर जमकर हमला बोला। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया।

सजीब से पूछा गया कि क्या मौत की सजा के ऐलान के बाद मुहम्मद यूनुस शेख हसीना को मारने की कोशिश कर रहे हैं? इस पर उन्होंने कहा, नहीं, वे उन्हें मार नहीं पाएंगे। वे असल में सजा को कैसे लागू करेंगे? सबसे पहले, वे उन्हें पकड़ नहीं सकते। दूसरा, एक बार कानून का राज आ जाने पर यह पूरी प्रक्रिया

खत्म हो जाएगी। यूनुस मेरी मां को छू नहीं सकते। शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने पीएम नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी का हमेशा शुक्रगुजार रहूंगा। उन्होंने मेरी मां की सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने मेरी मां की जान बचाई है। वह एक देश के मुखिया के तौर पर उन्हें कड़ी सुरक्षा में रख रहे हैं और इसके लिए मैं भारत सरकार और भारत के लोगों का हमेशा शुक्रगुजार रहूंगा।

वहीं जब शेख हसीना के प्रत्यर्पण से जुड़ा सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि किसी का प्रत्यर्पण कराने के लिए ट्रीटी के साथ कानून होना चाहिए।

खनिज के अवैध उत्खनन व परिवहन के मामले में कार्रवाई

रायपुर। राज्य शासन के मंशानुरूप राज्य में खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर कड़ाई से रोक लगाने तथा इसमें सलिप्त लोगों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के उद्देश्य से कोरिया जिले में खनिज विभाग की टीम द्वारा लगातार जांच-पड़ताल की कार्रवाई की जा रही है।

इसी सिलसिले में 11 नवम्बर से 19 नवम्बर तक बैकुण्ठपुर एवं पटना तहसील क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान बिना टीपी के खनिजों का अवैध परिवहन करते हुए 7 वाहनों के जब्ती की कार्रवाई की गई। जिसमें ट्रैक्टर, जेसेबी, मिनी ट्रक आदि शामिल हैं। सभी वाहनों को समीपस्थ थाना पटना एवं चरचा थाना में रखा गया है तथा उनके मालिकों के विरूद्ध मुरम एवं रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामले में प्रकरण दर्ज किया गया है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर बस्तर सांसद महेश कश्यप के नेतृत्व में यूनिटी मार्च का आयोजन

बीजापुर । भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर बीजापुर जिले में बस्तर सांसद महेश कश्यप के नेतृत्व में यूनिटी मार्च का भव्य आयोजन किया गया। यह मार्च जिले में राष्ट्रीय एकता और अखंडता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से किया गया।यूनिटी मार्च का शुभारंभ बीजापुर के आराध्य देव चिकट राज के परिसर से किया गया। इसके बाद दुर्गा मंदिर में अल्प विराम लेते हुए यह मार्च एजुकेशन सिटी स्थित नवोदय विद्यालय परिसर में पहुँचा, जहाँ सांसद महेश कश्यप सहित जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित नागरिकों ने स्वच्छता अभियान चलाकर कार्यक्रम का समापन किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद महेश कश्यप ने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण और अखंड भारत की अवधारणा में उनके अद्वितीय योगदान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प, संगठन कौशल और राष्ट्रीय एकता के प्रति उनके समर्पण से नई पीढ़ी को सीख लेनी चाहिए।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक तथा स्कूली विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान सभी ने सरदार पटेल की राष्ट्रवादी सोच और एकता के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

विश्व टॉयलेट डे पर सुलभ शौचालय में जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छता के संकल्प के साथ संपन्न

जगदलपुर,। विश्व टॉयलेट डे के अवसर पर आज शहीद पार्क के पास स्थित सुलभ शौचालय परिसर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महापौर संजय पाण्डे के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित शौचालयों के महत्व को नागरिकों तक पहुंचाते हुए स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर नगर निगम टीम और नागरिकों ने स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान महापौर संजय पाण्डे ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ एवं सुरक्षित शौचालय किसी भी स्वस्थ समाज की बुनियाद होते हैं। उन्होंने कहा कि साफ-सुथरे शौचालय न केवल बीमारियों से बचाते हैं, बल्कि नागरिकों की गरिमा, सुरक्षा और सुविधा से भी गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने सभी को स्वच्छता को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।इस अवसर पर नगर निगम की टीम द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया। शौचालयों की साफ-सफाई, रखरखाव और दैनिक स्वच्छता के महत्व पर नागरिकों को जानकारी दी गई। इसके साथ ही स्वच्छता संबंधी संदेशों का प्रसार कर लोगों को जागरूक किया गया। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए नगर निगम के प्रयासों की प्रशंसा की और स्वच्छ जगदलपुर बनाने में सहयोग का संकल्प लिया।कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वच्छता को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में नगर निगम के एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, अनिल सामंत, पंकज आचार्य, योगेश पाण्डे सहित श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड के सदस्य रामू भारतीया, पल्लव दातारकर, अनेश कश्यप, लता बेसरा, नमिता कश्यप, रोहित बेहरा, विशाल गुप्ता, तामेश्वरी साहू, साक्षी सिंह, नेहा सिंह, रितु यादव, रीना नेताम, दिव्या, रेशमा बघेल, अंजली सेन और पायल उपस्थित रहे।

वनवासियों की आय बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री रूप साय सलाम और उपाध्यक्ष श्री यज्ञदत्त शर्मा के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नए दायित्वों के लिए अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में हुए शामिल। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में श्री सलाम को एक अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसे वे अपनी संवेदनशीलता, अनुभव और दक्षता के साथ उत्कृष्ट रूप से निभाएंगे। उन्होंने उल्लेख किया कि श्री सलाम स्वयं जनजातीय समुदाय से आते हैं और समुदाय की समस्याओं, अपेक्षाओं एवं आवश्यकताओं को भली-भांति समझते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनवासियों की आय बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रदेश में निवासरत जनजातीय समाज के उत्थान को दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। साथ ही केंद्र में अलग जनजातीय मंत्रालय की स्थापना से समुदाय के विकास को नई गति मिली। उन्होंने कहा कि हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी भावना और संकल्प को आगे बढ़ाते हुए 'धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना' तथा 'पीएम जनमन योजना' लागू की, जिनके माध्यम से जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्राहकों को देश में सर्वाधिक मूल्य दिया जा रहा है। वनोपजों के वैल्यू एडिशन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि वनवासी समुदाय की आय में वृद्धि हो और उन्हें वास्तविक आर्थिक मजबूती प्राप्त हो। वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि यह प्रदेश का सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़ के मुखिया श्री विष्णु देव साय स्वयं जनजातीय समुदाय से आते हैं और वनवासी भाई-बहनों की पीड़ा, कठिनाइयों और आकांक्षाओं को गहराई से समझते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की 32त्न आबादी जनजातीय है तथा 44त्न क्षेत्र वनाच्छादित है, इसलिए वनोपज ही वनवासियों की आजीविका का प्रमुख स्रोत है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता को 'हरा सोना' कहा जाता है और उसके अनुरूप मूल्य देने का कार्य मुख्यमंत्री श्री साय ने किया है। तेंदूपत्ता का प्रति मानक बोरा मूल्य 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है।वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने न केवल चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ किया है, बल्कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वनोपज संग्राहक परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के लिए प्रभावी कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

जिले में अब तक 12 हजार क्विंटल धान की हो चुकी है खरीदी

कोण्डागांव, । जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य जारी है। अब तक जिले के 67 समितियों के उपार्जन केन्द्रों में से 26 केन्द्रों में 12 हजार 369 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। जिले के किसान अपना धान बेचने के लिए मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाईन टोकन कटा सकते हैं साथ ही समितियों के माध्यम से भी टोकन जारी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप जिले के सभी धान उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। सभी केन्द्रों में पारदर्शी ढंग से धान खरीदी संपन्न कराने के लिए ऑनलाईन टोकन, इलेक्ट्रानिक तौल यंत्र, आर्द्रतामापी यंत्रों सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने वाटरशेड महोत्सव वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

धमतरी, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज धमतरी में आयोजित कार्यक्रम में वाटर शेड महोत्सव वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर आमजनों को जल संरक्षण के संबंध में जागरूक करेगा। इस दौरान उन्होंने कृषि यांत्रिक करण मिशन अंतर्गत 8 किसानों को शक्तिचलित यंत्र ट्रेक्टर, रिपर, पॉवरटिलर, हैरो, ड्रीप इत्यादि कृषि यंत्र प्रदान किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन देवांगन, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, राजस्व मंत्री जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल।

सैन्य भर्ती से संबंधित एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

धमतरी। धमतरी कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में सैन्य भर्ती से संबंधित एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन 17 नवम्बर 2025 को दो पालियों में हुआ, जिसमें जिले एवं आसपास क्षेत्र के सैकड़ों युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रथम पाली का आयोजन बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी में किया गया। यहाँ सैन्य भर्ती की तैयारी कर रहे 214 प्रतिभागियों ने सहभागिता दर्ज की,सेना भर्ती कार्यालय रायपुर से आए मुख्य वक्ता ए.आर.ओ. रूबेश कुमार ने प्रतिभागियों को आगामी जनवरी माह में होने वाली सेना भर्ती से संबंधित शारीरिक परीक्षण, मेडिकल टेस्ट, दस्तावेज परीक्षण,छूट, बोनस अंकों आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने उपस्थित युवाओं के सभी प्रश्नों का समाधान भी किया। द्वितीय पाली में सेमिनार का आयोजन सुखराम नागे शासकीय महाविद्यालय, नगरी में किया गया, जहाँ वनांचल क्षेत्र के युवाओं को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस सत्र में नगरी ब्लॉक के 242 प्रतिभागियों ने सैन्य भर्ती एवं अग्निवीर योजना से संबंधित समस्त प्रक्रियाओं को विस्तार से समझा तथा विषय विशेषज्ञों से अपने संदेह दूर किए। सेमिनार को जिला खेल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्री पीयूष तिवारी ने कहा कि इस प्रकार का आयोजन युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा भरता है तथा उन्हें सही दिशा प्रदान करता है।

सचिव हिमशिखर गुप्ता ने सारंगढ़ इलाके में धान खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण

रायपुर। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के प्रभारी सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता ने आज सारंगढ़ विकासखंड का दौरा कर खरीदी केन्द्र कनकबीरा और सालर में पहुंचकर वहां धान की खरीदी और केन्द्र में किसानों की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित किसानों से सीधे संवाद कर सुविधाओं, प्रक्रियाओं और समिति की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। सचिव श्री गुप्ता ने सहायक आयुक्त सहकारिता को निर्देशित किया कि किसानों को समिति में सदस्यता लेने तथा भूमि के अनुसार राशि निवेश करने के लिए प्रेरित करें और निर्धारित लक्ष्य समय पर पूर्ण करें। उन्होंने धान खरीदी केन्द्र में पहुंचे किसानों प्रदीप पटेल और जगतराम चौहान से खरीदी व्यवस्था, धान की किस्म और मिल रही सुविधाओं पर चर्चा की। केन्द्र में धान की नमी जांच निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए जाने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया और धान की किस्म के अनुसार पृथक स्टैकिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने समिति प्रबंधक को निर्धारित प्रक्रिया अनुसार श्रमिकों का भुगतान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इस दौरान

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे, पुलिस अधीक्षक श्री आंजनेय वार्ष्णेय सहित अन्य जिला अधिकारी व किसान मौजूद थे।

मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले में अब तक 5,090 क्विंटल धान की हुई खरीदी । खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य 15 नवंबर से जिले में सुचारू रूप से प्रारंभ हो गया है। मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले की 19 सेवा सहकारी समितियों के 27 धान उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संचालित की जा रही है। जहां अब तक 148 किसानों द्वारा कुल 5,090 क्विंटल धान का विक्रय किया जा चुका है। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के मार्गदर्शन में प्रत्येक धान उपार्जन केंद्र में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इनका दायित्व अवैध धान की खरीद-बिक्री पर रोक लगाना तथा पूरी प्रक्रिया पर निगरानी बनाए रखना है।साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारी - कर्मचारियों की संयुक्त टीम द्वारा उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण लगातार किया जा रहा है, जिससे खरीदी प्रक्रिया को पूर्णतः जिला प्रशासन की सतत निगरानी के कारण इस वर्ष धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ी है।

छत्तीसगढ़ में पटवारी से आरआई बने अधिकारियों के घर एसीबी/ईओडब्ल्यू की दबिश

प्रदेश में 20 से ज्यादा स्थानों पर ईओडब्ल्यू की दबिश

परीक्षा में बड़े स्तर पर धांधली की शिकायत मिली थी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पटवारी से राजस्व निरीक्षक अधिकारी बनने की परीक्षा में भारी धांधली की शिकायत पर एसीबी/ईओडब्ल्यू की बुधवार को कार्रवाई की है। जांच अधिकारियों की विशेष टीमों ने बुधवार सुबह प्रदेश में 20 से अधिक स्थनों पर दबिश दी है। छापे की कार्रवाई से राजस्व विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

प्रदेश में पटवारी से राजस्व निरीक्षक (आरआई) बने अधिकारियों के घर बुधवार सुबह एसीबी/ईओडब्ल्यू की ताबड़तोड़ दबिश और कार्रवाई शुरू हो गई। प्रदेशभर में 20 से ज्यादा स्थानों पर यह बड़ी कार्रवाई जारी है। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, अंबिकापुर, जगदलपुर, गरियाबंद, महासमुंद सहित कई प्रमुख शहरों में टीमों ने एक साथ छापेमार कार्रवाई की है।

सूत्रों के मुताबिक पटवारी से आरआई बनने की परीक्षा में बड़े स्तर पर धांधली की शिकायत सामने आई थीं। यह मामला विधानसभा में भी जोरदार तरीके से उठा था, जिसके बाद सरकार ने इसे गंभीरता से लेते हुए जांच एजेंसियों को कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

जांच पूरी होने के बाद बड़ा खुलासा होने की संभावना

एसीबी/ईओडब्ल्यू की विशेष टीमों ने बुधवार सुबह-सुबह अधिकारियों के घर दस्तक देकर दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और संदिग्ध लेन-देन से जुड़े सबूत खंगालने शुरू कर दिए हैं। कई जगह आय से अधिक संपत्ति और परीक्षा से जुड़े सामग्री भी मिलने की जानकारी सामने आ रही है।

अधिकारियों का कहना है कि पूरी कार्रवाई परीक्षा प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी, मिलीभगत और भ्रष्टाचार की शिकायतों के आधार पर की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद बड़ा खुलासा होने की संभावना है। छापेमारी के कारण प्रदेशभर में राजस्व विभाग के कई अफसरों में हड़कंप की स्थिति है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री दुर्गा दास उइके ने जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जनजातीय गौरव दिवस 2025 के उपलक्ष्य में सरगुजा जिले के अंबिकापुर में 20 नवंबर को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम की अंतिम तैयारियों का जायजा लेने बुधवार को केन्द्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार श्री दुर्गा दास उइके, राज्य सरकार के आदिमजाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, वन मंत्री श्री केदार कश्यप के साथ कार्यक्रम स्थल पी जी कॉलेज ग्राउण्ड पहुंचे। इस दौरान मंच व्यवस्था, अतिथियों एवं आमजनों हेतु बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, स्टॉल, शिल्पग्राम सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने यातायात नियंत्रण, पार्किंग,

वीआईपी मूवमेंट, मीडिया प्रबंधन, विद्युत, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा एवं आपात सेवाओं से संबंधित व्यवस्थाओं के सम्बंध में भी जानकारी ली।

सभी मंत्रियों ने कार्यक्रम स्थल का मुआयना किया और शिल्पग्राम का भी अवलोकन किया । सभी ने शिल्प ग्राम में जनजातीय शिल्प कला, परम्परागत जड़ी-बूटियों से इलाज, हथकरघा से बनी साड़ी और कपड़े सहित बांसकला से बनी कलात्मक वस्तुओं का अवलोकन कर तारीफ़की। इस दौरान सभी मंत्रियों ने आस पास से आए जनजातीय शिल्पकारों एवं कलाकारों से भी मुलाकात की।

सुरक्षा व्यवस्था, स्टॉल, शिल्पग्राम सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने यातायात नियंत्रण।

मनेंद्रगढ़ ब्लॉक के पांच धान उपार्जन केंद्रों में हुई जोरदार शुरुआत, किसानों में उमंग

एमसीबी । खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का सीधा लाभ अब गांव-गांव के किसानों तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रति एकड़ 21 क्विंटल और प्रति क्विंटल 3100 रुपये की दर से धान खरीदी की घोषणा किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं साबित हो रही है। इसी क्रम में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के मनेंद्रगढ़ ब्लॉक में धान उपार्जन के दूसरे दिन पांचों केंद्रों में खरीदी की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। सभी केंद्रों में पूजा-अर्चना के बाद जैसे ही तौल मशीनें चलीं, किसानों के चेहरों पर संतोष और प्रसन्नता झलक उठी। शासन की पारदर्शी प्रक्रिया, कड़ी निगरानी और बेहतर प्रबंधन के कारण सभी उपार्जन केंद्रों में खरीदी सुचारू रूप से संपन्न हुई। केल्हारीः- केल्हारी उपार्जन केंद्र में सहायक नोडल अधिकारी ओम प्रकाश श्रीवास, प्रभारी सरस्वती गुप्ता और सहायक प्रभारी राम प्रताप सिंह की देखरेख में खरीदी पारदर्शी ढंग से हुई। यहां सेमरिया के लक्ष्मण प्रसाद साहू ने 35.20 क्विंटल, बिछिया टोला के गिरजा प्रसाद साहू ने 50 क्विंटल, गंगाराम ने 50 क्विंटल, केल्हारी के गुलशेर ने 40 क्विंटल और त्रिभुवन नारायण सिंह ने 99.60 क्विंटल धान विक्रय किया। डोडकीः- डोडकी केंद्र में तहसीलदार सतरूपा साहू, प्रभारी दीपक खलखो और सहायक प्रभारी राजकुमार सेन्द्राम की निगरानी में खरीदी पूरी निष्पक्षता के साथ हुई। यहां बलरसिया निवासी किसान ने 7.20 क्विंटल और डोडकी के जगदीश सिंह गोंड ने 40 क्विंटल धान बेचा। कछौड़ः- कछौड़ उपार्जन केंद्र में खरीदी प्रभारी राकेश तिवारी, सहायक प्रभारी संजय अमलेश, शिवचरण सिंह, ऑपरेटर विशाल, बरदाना प्रभारी सोहन यादव और रोजगार सहायक मदन की टीम ने व्यवस्था संभाली। यहां ताराबहरा/शिवगढ़ निवासी सुरेश श्रीवास्तव ने 54.40 क्विंटल धान बेचा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)

ऑल इंडिया फ़ॉरेस्ट स्पोर्ट्स मीट में लगातार 13वीं बार ओवरऑल चैंपियन छत्तीसगढ़

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मेडिकल कॉलेज परिसर में ऑल इंडिया फ़ॉरेस्ट स्पोर्ट्स मीट में लगातार 13वीं बार ओवरऑल चैंपियन बनने वाले छत्तीसगढ़ के विजेता खिलाड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से उन्होंने छत्तीसगढ़ का मान पूरे देश में ऊँचा किया है और उनकी यह उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

उल्लेखनीय है कि देहरादून में 12 से 16 नवंबर तक आयोजित 28वीं ऑल इंडिया फ़ॉरेस्ट स्पोर्ट्स मीट में छत्तीसगढ़ ने अपना दबदबा कायम रखते हुए लगातार 13वीं बार ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी जीती। यह विजय छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपरा, अनुशासन, कठिन परिश्रम और टीम की अदम्य प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भव्य समापन समारोह में उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह और वन मंत्री श्री सुबोध उनियाल ने संयुक्त रूप से ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी प्रदान की, जिसे छत्तीसगढ़ की ओर से आईएफ़एस श्रीमती शालिनी रैना एवं दल की नोडल अधिकारी ने ग्रहण किया। उनके नेतृत्व में टीम की एकजुटता और उत्कृष्ट प्रदर्शन इस उपलब्धि की प्रमुख वजह रहा।

इस वर्ष 253 सदस्यों की मजबूत टीम के साथ छत्तीसगढ़ ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए बढ़ाया–जिनमें निखिल ज़ाल्को ने तैराकी में पाँच स्वर्ण जीतकर सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का खिताब प्राप्त किया। वहीं संगीता राजगोपालन ने बैडमिंटन और टेनिस में चार स्वर्ण एवं एक रजत जीतकर सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का सम्मान हासिल किया। इसी प्रकार थोटा संकीर्तन ने पाँच स्वर्ण जीतकर महिला ओपन वर्ग में सर्वश्रेष्ठ एथलीट बनीं। सुखनंदन लाल ध्रुव और चारुलता गजपाल ने वेटरन श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया। कुल 150 पदक और 578 अंक हासिल किए, जो पहले रनर-अप से 221 अंकों की ऐतिहासिक बढ़त है। टीम ने 74 स्वर्ण, 34 रजत और 42 कांस्य पदक जीतकर प्रतियोगिता में अपना सर्वांगीण प्रभुत्व स्थापित किया। कई खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन कर राज्य का गौरव

यह ऐतिहासिक सफलता वन मंत्री श्री केदार कश्यप के दूरदर्शी मार्गदर्शन और वन बल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव के प्रेरक नेतृत्व का परिणाम है। उनके निरंतर सहयोग, दिशा और प्रोत्साहन ने टीम को हर बार नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छत्तीसगढ़ वन विभाग की यह विजय केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि एक स्वर्णिम अध्याय है, जिसने राष्ट्रीय स्तर पर खेल भावना और उत्कृष्टता का नया मानक स्थापित किया है। राज्य ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि उसकी खेल परंपरा, मेहनत और जज़्बा उसे लगातार चैंपियन बनाए रखते हैं।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, नान के चेयरमैन श्री संजय श्रीवास्तव, योग आयोग के अध्यक्ष श्री रूप नारायण सिन्हा, छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम, वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सलीम राज, वन बल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव सहित लघु वनोपज संघ के सदस्य तथा बड़ी संख्या में विजेता खिलाड़ी उपस्थित थे।

कलेक्टर पहुंचे धान खरीदी केन्द्र, जांची केन्द्र की व्यवस्था

रायपुर । जिले में जारी धान खरीदी की व्यवस्था का जायजा लेने कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह आज उपार्जन केंद्र माना पहुंचे। उन्होंने किसानों द्वारा लाए गए धान की तौल करवाई और मॉइश्चर मीटर से नमी की जांच भी करवाई। कलेक्टर ने किसानों के लिए केंद्रों में की गई व्यवस्थाओं और फसल की स्थिति पर चर्चा की। साथ ही कलेक्टर आज अभनपुर के केंद्री धान उपार्जन केंद्र पहुंचे और धान खरीदी की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने यहां भी धान को तौलाने और नमी मापक यंत्र की जांच की। कलेक्टर ने मेडिकल किट मंगाकर दवाईयों की उपलब्धता की जानकरी ली। उन्होंने स्वयं कम्प्यूटर में पंजीकृत रकबा के तहत किसानों का उपार्जन की स्थिति का अवलोकन किया। कलेक्टर ने कहा कि यह ध्यान रखें कि किसी भी स्थिति में अवैध धान की खरीदी न हो इसके लिए अपने क्षेत्र में रकबे का परिक्षण कर जमीनी स्थिति का जायजा लें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उल्लेखनीय है कि 15 नवंबर से जिले में धान खरीदी सुचारू रूप से जारी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन तथा कलेक्टर के निर्देशन में सभी आवश्यक सुविधाएँ केंद्रों में सुनिश्चित की गई हैं, जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

रायपुर जिले में आज हुई लगभग 74 हजार 337.60 क्विंटल धान खरीदी

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश में जिले के किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जा रही है। जिले में आज धान खरीदी के चौथे दिन 1722 किसानों ने 74 हजार 337.60 क्विंटल धान की खरीदी की गई। इस प्रकार अब तक 3571 किसानों ने 1 लाख 51 हजार 370.40 क्विंटल की खरीदी हुई है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में धान खरीदी केन्द्रों में किसानों को आवश्यक सुविधाएं भी प्रदान की जा रही है, जिससे किसानों में धान बेचने को लेकर उत्साह है।

दुर्ग जिले ने फिर दर्ज कराई राष्ट्रीय पहचान, जल संचय जनभागीदारी अभियान में मिला

दुर्ग । जल संचय के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए दुर्ग जिले ने इंस्ट जोन कैटेगरी 3 में प्रथम स्थान प्राप्त किया है । इस उपलब्धि के लिए 18 नवम्बर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन के प्लेनरी हॉल में आयोजित राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह में दुर्ग जिले को सम्मानित किया गया। जल शक्ति अभियान की शुरुआत 1 जुलाई 2019 को जल संकट और जल संरक्षण की राष्ट्रीय चुनौती के समाधान के लिए की गई थी, राष्ट्रीय जल पुरस्कार में संवर्ग 03 में दुर्ग ज़िले को जल संरक्षण की दिशा में किए गए उल्लेखनीय कार्य के लिए माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के हाथों कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह को 25 लाख का चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ। जेएसजेबी-जल संचय जनभागीदारी अभियान में देशभर में दुर्ग को छत्तीसगढ़ जोन-2 की केटेगरी-3 में 16वां स्थान मिला है। दुर्ग की यह उपलब्धि एक बार फिर साबित करती है कि जब जिला प्रशासन और जनता मिलकर कार्य करें तो असंभव भी संभव हो जाता है। जलसंकट से निपटने के लिए दुर्ग जिले ने साबित कर दिया कि मोर गांव, मोर पानी और एकेच गोठ एकेच बानी, बूंद-बूंद बचाबो पानी, केवल नारा नहीं, बल्कि काम का तरीका है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश में जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे के मार्गदर्शन में वर्षा जल संचय और जल संरक्षण के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं। महात्मा गांधी नरेगा के तहत जल जीवन मिशन के अंतर्गत रनिंग वाटर क्षेत्र में सोक पिट का निर्माण किया गया। जनपद पंचायत दुर्ग में 70, धमधा में 101 और पाटन में 55 सोक पिट बनाए गए। इसके साथ ही रिचार्ज पिट निर्माण में दुर्ग में 43, धमधा में 92 और पाटन में 73 पिट बनाए गए। 300 ग्राम पंचायतों में 68 स्थानों पर 16,120 सोख्ता गड्ढा तैयार किया गया। 423 हैंडपंप जिनका जल स्तर गिर गया था, उन्हें रिचार्ज किया गया। इन प्रयासों से दुर्ग जिले में जल संरक्षण और जल संचय का एक मजबूत ढांचा तैयार हुआ है। यह न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा, बल्कि लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक और सक्रिय भी बनाएगा।

रायपुर लैंड होने वाली इंडिगो फ्लाइट भुवनेश्वर डायवर्ट

एजेंसी

रायपुर एयरपोर्ट में दिल्ली से रायपुर लैंड होने वाली फ्लाइट को अचानक टेक्निकल इश्यू के कारण भुवनेश्वर डायवर्ट कर दिया गया है। बताया जा रहा है 20 नवंबर की सुबह विमान में तकनीकी समस्या हुई। जिसके चलते फ्लाइट डायवर्ट की गई है।

जानकारी के अनुसार, सुबह 9:15 बजे आने वाली फ्लाइट नंबर 6ञ6476 को तकनीकी दिक्कतों के चलते रायपुर में लैंडिंग नहीं कराया गया और उसे भुवनेश्वर भेज दिया गया।

फ्लाइट की टाइमिंग अभी शेड्यूल नहीं किया गया है।

एयरपोर्ट पर यात्री परेशान

विमान के समय पर न पहुंचने से रायपुर से दिल्ली जाने वाले यात्री काफी परेशान होते दिखाई दिए। कई यात्रियों की कनेक्टिंग फ्लाइट्स और काम के शेड्यूल पर इसका असर पड़ा। यही विमान रायपुर से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाला था, जिससे आगे की शेड्यूल पूरी तरह प्रभावित हो गया। रायपुर एयरपोर्ट पर दिल्ली जाने वाले यात्री परेशान होते दिखे। **जांच पूरी होने के बाद शेड्यूल जारी होगा -** एयरपोर्ट अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी जांच पूरी होने के बाद फ्लाइट को रायपुर लाने और आगे दिल्ली के लिए रवाना करने की तैयारी की जा रही है।

हालांकि, अभी उड़ान के नए समय की आधिकारिक पुष्टि? नहीं की गई है। बार-बार हो रही ऐसी तकनीकी दिक्कतों से यात्रियों में नाराजगी भी बढ़ रही है।

2 महीने पहले हुआ था नेविगेशन सिस्टम फेल - इसके पहले 9 सितंबर को रायपुर एयरपोर्ट का नेविगेशन सिस्टम बंद हो गया था। जिससे काफी परेशानी हुई थी। रायपुर लैंड वाली फ्लाइट डायवर्ट किया गया था। वहीं यहां से उड़ान भरने वाली सभी फ्लाइट को रिशेड्यूल कर दिया गया था।

जानकारी के मुताबिक, बिजली गिरने की वजह से नेविगेशन सिस्टम खराब हो गया था। जिसके कारण 4 फ्लाइट कैंसिल कर दी गईं। जबकि 6 अन्य उड़ानों को डायवर्ट किया गया। ये उड़ानें दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु और इंदौर जैसे शहरों से जुड़ी थीं। विजिबिलिटी क्लियर होने के बाद अगले दिन फ्लाइट शुरू की गई थी।

101 उपार्जन केंद्र में 2616 किसानों ने धान बिक्री किये

दुर्ग । जिले में खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के तहत 87 सहकारी समितियों अंतर्गत 102 धान उपार्जन केंद्र में धान खरीदी की जाएगी। बुधवार 19 नवम्बर 2025 को 101 उपार्जन केन्द्रों में 2616 किसानों से 13,258.96 मेट्रिक टन धान की खरीदी की गई। उपार्जन केंद्रों में धान की तोलाई, बोरे की सिलाई, स्टेग लगाने का कार्य सुव्यवस्थित ढंग से हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा सभी केंद्रों में खरीदी प्रभारी एवं कम्प्यूटर आपरेटर नियुक्त कर दिए गए है। सी.सी.बी. के प्रभारी नोडल अधिकारी श्री ह्रदेश शर्मा से मिली जानकारी अनुसार जिले में इस वर्ष 6,16,435 मेट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है। धान खरीदी के लिए जिले में 1,12,446 किसानों का पंजीयन किया गया है। धान विक्रय के लिए कुल रकबा 1,12,255 हेक्टेयर पंजीकृत है, इनमें 11827 हेक्टेयर एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन हो पाया है।

छत्तीसगढ़ को जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान

छत्तीसगढ़ को जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में राज्य के 12 जिलों को किया सम्मानित

प्रदेश का जल भविष्य सुरक्षित करने में यह पुरस्कार होगा प्रेरणादायी: मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर। जल संरक्षण एवं सामुदायिक भागीदारी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित कर छत्तीसगढ़ के 12 जिलों रायपुर, गरियाबंद, महासमुंद, राजनांदगांव, बलौदाबाजार-भाटापारा, धमतरी, बालोद, बलरामपुर, बिलासपुर, रायगढ़, दुर्ग और सूरजपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर नया इतिहास रच दिया है। विज्ञान भवन, नई दिल्ली में कल आयोजित 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार एवं जल संचय जनभागीदारी 1.0 अवार्ड समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने इन जिलों को सम्मानित किया है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और संवेदनशील प्रशासनिक प्रयासों के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ ने जल संरक्षण की दिशा में देशभर में विशेष पहचान बनाई है। पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार के अभिनव प्रयासों और जनभागीदारी ने जल संचयन की दिशा में नए आयाम हासिल किए हैं। मुख्यमंत्री ने इन जिलों के नागरिकों और जिला प्रशासन को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि जल संचयन के प्रति लोगों में आई यह चेतना जल के समुचित उपयोग को बढ़ावा देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का जल भविष्य सुरक्षित करने में यह पुरस्कार प्रेरणादायी होगा। छत्तीसगढ़ को जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान रायपुर जिले को जल संचय जनभागीदारी अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया है। देशभर के नगर

निगमों में रायपुर नगर निगम प्रथम स्थान पर रहा, जबकि पूर्वी जोन कैटेगरी 01 में रायपुर जिला तीसरे स्थान पर रहा। रायपुर जिले और नगर निगम ने मिलकर सामुदायिक सहभागिता को जल संचय का व्यापक अभियान बनाया। रायपुर नगर निगम द्वारा 33,082 कार्य और जिला प्रशासन द्वारा 36,282 कार्य किए गए हैं।राजनांदगांव जिले को ईस्ट जोन के अंतर्गत राष्ट्रीय जल अवार्ड में प्रथम स्थान तथा जनभागीदारी केटेगरी 01 में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है तथा प्रोत्साहन स्वरूप 2 करोड़ रूपए की राशि प्रदान की गई है। यहां 58,967 जल संचय के कार्य जनभागीदारी से पूर्ण किए गए हैं। बालोद जिले को केटेगरी 01 में बेस्ट परफॉर्मिंग के लिए पहला स्थान प्राप्त हुआ है, साथ ही 2 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। यहां 92,742 नई जल संरचनाएँ निर्मित की गई। महासमुंद जिले को कैटेगरी 2 अंतर्गत प्रथम स्थान के लिए सम्मानित किया है। यहां 35,182 जल संरचनाओं का निर्माण किया गया है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले को कैटेगरी 2 के तहत दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है तथा प्रोत्साहन स्वरूप 01 करोड़ रूपए की पुरस्कार राशि दी गई है। यहां 30,927 संरचनाओं का निर्माण किया गया है। गरियाबंद जिला को केटेगरी-2 में देश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है तथा प्रोत्साहन स्वरूप एक करोड़ रूपए की राशि मिली है। यहां 26,025 सतही जल के बेहतर रख-रखाव के कार्य किए गए हैं।

मंत्री अरुण साव ने मुंगेली नगर पालिका में 29 करोड़ 90 लाख के विकास कार्यों का लोकार्पण

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज मुंगेली नगर पालिका में 29 करोड़ 90 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। उन्होंने मुंगेली के आगर खेल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और लोक निर्माण विभाग के कुल 17 करोड़ 55 लाख 12 हजार रुपए के 91 कार्यों का लोकार्पण और 12 करोड़ 41 लाख 79 हजार रुपए के 23 कार्यों का भूमिपूजन किया। विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अधोसंरचना मद के तहत परशुराम चौक में सौंदर्यीकरण एवं मूर्ति स्थापना, वार्ड-11 व वार्ड-20 में सामुदायिक भवन निर्माण तथा वार्ड-13 में प्रसाधन सहित बस प्रतीक्षालय का लोकार्पण किया। उन्होंने अधोसंरचना व 15वें वित्त आयोग मद से 76 सीसी सड़कों, आरसीसी नालियों, बाउंड्रीवाल निर्माण, विद्युतीकरण एवं अन्य विकास कार्यों का भी लोकार्पण किया। श्री साव ने बालानी चौक में माता परमेश्वरी चौक सौंदर्यीकरण, अधिकारी-कर्मचारी आवास

निर्माण, मां परमेश्वरी चौक एवं देवांगन मुक्तिधाम में हाईमास्ट लाइट स्थापना, भक्त माता कर्मा चौक निर्माण एवं मूर्ति स्थापना, साहूपारा में सामुदायिक भवन निर्माण, निरंजन प्रसाद केशरवानी बाल वाटिका जीर्णोद्धार, आगर खेल परिसर का जीर्णोद्धार, पड़ाव चौक में महाराणा प्रताप की कांस्य प्रतिमा स्थापना के साथ ही विप्र समाज के सामुदायिक भवन के निर्माण का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि मुंगेली के विकास कार्यों के लिए पैसों की कमी नहीं होगी। यहां के विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए सड़क, नाली, पानी सहित सभी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका को पिछले 20 माह में अलग-अलग योजनाओं के तहत 92 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी जा चुकी है। विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। मुंगेली जिला पंचायत के अध्यक्ष श्री श्रीकांत पाण्डेय, कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल, जिला पंचायत के सीईओ श्री प्रभाकर पाण्डेय, नगर पालिका के अध्यक्ष श्री रोहित शुक्ला, जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्री रामकमल सिंह और मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री होरी सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद थे आगर खेल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को सामग्री वितरित कर लाभान्वित किया गया। मछली पालन विभाग अंतर्गत दो हितग्राहियों को महाजाल एवं आइस-बॉक्स, उद्यानिकी विभाग अंतर्गत तीन हितग्राहियों को ग्राफ्टेड बैगन के लिए सहायता राशि, समाज कल्याण विभाग अंतर्गत तीन हितग्राहियों को श्रवण यंत्र, स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत आठ बच्चों को श्रवण यंत्र व मैग्नीफ्यर ग्लास, एमआर किट, नगर पालिका मुंगेली अंतर्गत पांच हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा, विद्युत विभाग अंतर्गत पांच लाभार्थियों को प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनांतर्गत प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत पांच लोगों को को आयुष्मान व वय वंदन कार्ड, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत पांच लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र और पांच को 60-60 हजार रुपए का चेक प्रदान कर लाभान्वित किया गया

हीरापुर में देर रात दर्दनाक सड़क हादसा, तेज रफ़्तार ट्रक से युवक की मौके पर मौत

सीसीटीवी फु टेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर पुलिस ट्रक व चालक की तलाश कर रही है

रायपुर।

राजधानी के कबीर नगर थाना क्षेत्र में बीती रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां हीरापुर इलाके में सड़क पार कर रहे एक युवक को तेज रफ़्तार ट्रक ने बेरहमी से कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना ने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है और इलाके में शोक का माहौल है। कबीर नगर थाना प्रभारी सुनील दास ने बताया कि यह हादसा देर रात लगभग 12 बजे के आसपास हुआ। मृत युवक सड़क पार कर रहा था तभी अचानक तेज गति से आ रहे ट्रक चालक ने नियंत्रण खो दिया और युवक को जोरदार टक्कर मारते हुए कुचल दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने पहुंचकर इलाके को घेराबंदी की और ट्रैफिक को डायवर्ट किया, ताकि भीड़ न जुटे और स्थिति नियंत्रण में रहे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रक चालक की पहचान की जा रही है। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया था। सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर पुलिस ट्रक व चालक की तलाश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही आरोपी चालक को पकड़कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

मोदी सरकार के रोजगार देने के प्रयास सराहनीय

मोदी सरकार ने युवाओं के हित में अपने कदम बढ़ाए हैं नियुक्ति पत्र सौंप कर कल्याण की भावना को निहित किया है। साल 2019 के बाद से भारतीय परिवारों की औसत संपत्ति 48 प्रतिशत बढ़ी है, लेकिन इसी दौरान उपर कर्ज का बोझ 102 फीसदी बढ़ गया है। इसके पहले भारतीय परिवारों की बचत में भारी गिरावट के तथ्य सामने आ चुके हैं। परिवारों में बचत की घटी क्षमता के कारण उन पर कर्ज बढ़ने और उनकी संपत्ति घटने के रुझान ने अब और ठोस रूप ले लिया है। कोरोना काल के बाद से ही यह प्रवृत्ति उजागर होने लगा थी, जो लगातार गंभीर होती जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक की एक ताजा रिपोर्ट ने इसी बात की पुष्टि की है। इसमें बताया गया है कि 2019 के बाद से भारतीय परिवारों की औसत संपत्ति 48 प्रतिशत बढ़ी है, लेकिन इसी दौरान उपर कर्ज का बोझ 102 फीसदी बढ़ गया है।

भूली यादों की सुबह।

सुबह हर दिन आती
पर कुछ दिनों में वह याद नहीं होती,
बस महसूस होती है.
जैसे समय की आँख खुल गई हो।

रात, जो बीत चुकी,
अपनी अँधेरी स्मृतियाँ
छोड़ जाती
और सुबह उन्हें
रोशनी में धीरे-धीरे पढ़ती।

हर किरण किसी
बीते दिन का अक्षर है,
जो धूप में धुलकर
फिर से लिखा जाता ।
यादें कभी मरती नहीं
वे बस रूप बदल लेती ,
कभी परछाईं बन जाती ,
कभी हवा में मौन ।

कभी किसी गली
से गुजरते हुए
कदमों के नीचे
जो आवाज़ आती ,
वह भी किसी पुराने
पल की साँस होती ।

सुबह अब अनुभव है
न समय का , न जगह का ,
बल्कि उस मौन का
जो मनुष्य के भीतर बचा हुआ है। और वहाँ,
जहाँ याद का अंतिम सिरा
समय से जुड़ता ,
एक धीमी उजली रेखा उभरती
वही है भूली यादों की सुबह।
वह हमें जगाती नहीं,
बस हल्के से छूती ,
जैसे कह रही हो
तुम अब भी जीवित हो,
तुम्हें अभी भी कुछ याद है।÷
- संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

उपेक्षित संवेदनाओं और अनदेखें संघर्षों का सच

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

महिला दिवस की तर्ज पर ही पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस भी मनाया जाने लगा है। पहला अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 1999 में 19 नवंबर को डॉ. जेरोम टीलकसिंह ने त्रिनिदाद और टोबैगो में मनाया था। दुनिया के 30 से अधिक देशों में यह दिवस मनाया जा रहा है। यह केवल पुरुषों का उत्सव नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक परिदृश्य में उनकी स्थिति, संघर्षों और मनोभावों को समझने का मौक़ा है। जैसे स्त्रियाँ वर्षों से असमानता, उपेक्षा और अन्याय के बोझ से जूझती रही हैं, वैसे ही आज पुरुष भी कई स्तरों पर अपने शोषण एवं उत्पीडित होने की बात उठा रहे हैं। महिलाओं की ही भांति अब पुरुषों पर भी उपेक्षा, उत्पीड़न एवं अन्याय की घटनाएं पनपने की बात की जा रही है। वे भी दबाव, अवसाद और सामाजिक पूर्वाग्रहों का सामना कर रहे हैं। दुर्भाग्य यह है कि पुरुषों की पीड़ा, उनके संघर्ष और उनकी संवेदनाएँ उतनी चर्चा का विषय नहीं बनते, जितना कि वे बनना चाहिए। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि समाज केवल स्त्रियों से ही नहीं, पुरुषों से भी बनता है और किसी एक की उपेक्षा पूरे संतुलन को बिगाड़ देती है। 2025 के लिए इस दिवस की थीम 'पुरुषों और लड़कों का उत्सव' है।

आज का पुरुष बदलते समय के साथ एक दोहरी चुनौती से जूझ रहा है-एक ओर उससे पारंपरिक भूमिकाओं को निभाने की अपेक्षा की जाती है, दूसरी ओर नये सामाजिक ढाँचों में भावनात्मक रूप से अधिक संवेदनशील, सहयोगी और सहचर होने का दबाव है। संघर्ष यह है कि इस परिवर्तन में उसकी पीड़ा, द्वंद्व और टूटन को गंभीरता से नहीं सुना जाता। उसे मजबूत, कठोर और समस्यारहित मान लेने का भ्रम उसकी वास्तविक जरूरतों को छिपा देता है। यही कारण है कि आधुनिक पुरुष स्वयं को कई बार दोयम दर्जे की स्थिति में पाता है-एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसे समाज ज़िम्मेदारी तो देता है, पर अधिकार और संवेदना नहीं। पुरुषों पर हो रहे अत्याचारों की अनदेखी भी चिंताजनक है। घरेलू हिंसा, झूठे मुक़दमे, अभिभावकत्व के अधिकारों से वंचित होना, मानसिक प्रताड़ना, कार्यस्थलों पर उत्पीड़न-ये सब वास्तविक समस्याएँ हैं, जिन्हें अक्सर मज़ाक या अतिशयोक्ति कहकर टाल दिया जाता है। पुरुष के दर्द को 'मर्द को दर्द नहीं होता' जैसी रूढ़ि निगल जाती है। जबकि सच यह है कि भारत में पुरुष भी आत्महत्या, अवसाद और मानसिक दबाव के शिकार बन रहे हैं। कई रिपोर्टों में यह तथ्य सामने आया है कि अवसाद और आत्महत्या के मामलों में पुरुषों की संख्या महिलाओं की तुलना में अधिक है, पर इस पर चर्चा समाज की प्राथमिकता नहीं बनती। यह उपेक्षा न केवल अमानवीय है, बल्कि समाज के संतुलन को खतरे में डालने वाली भी है।

कुछ वर्ष पूर्व भारत में सक्रिय अखिल भारतीय पुरुष एशोसिएशन ने भारत सरकार से एक खास मांग की कि महिला विकास मंत्रालय की भांति पुरुष विकास मंत्रालय का भी गठन किया जाये। इसी तरह यूपी में भारतीय जनता पार्टी के कुछ सांसदों ने यह मांग उठाई थी कि राष्ट्रीय महिला आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय पुरुष आयोग जैसी भी एक संवैधानिक संस्था बननी चाहिए। इन सांसदों ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा था। पत्र लिखने वाले एक सांसद हरिनारायण राजभर ने उस वक्त यह दावा किया था कि पत्नी प्रताड़ित कई पुरुष जेलों में बंद हैं, लेकिन कानून के एकतरफा रुख और समाज में हंसी के डर से वे खुद के ऊपर होने वाले घरेलू अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे हैं। प्रश्न है कि आखिर पुरुष इस तरह की अपेक्षाएं क्यों महसूस कर रहे हैं? लगता है पुरुष अब अपने ऊपर आघातों एवं उपेक्षाओं से निजात चाहता है। तरह-तरह के कानूनों ने उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाया है। जबकि आज बदलते वक्त के साथ पुरुष अब अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील हो चुका है। कई युवा पुरुष समाज-निर्माण की बड़ी जिम्मेदारियों को उठा रहे हैं और अपनी काबिलीयत व जुनून से यह साबित भी कर रहे हैं।

समाज हमेशा पुरुष से अपेक्षा करता है कि वह परिवार की रीढ़ बने, आर्थिक व भावनात्मक उत्तरदायित्व निभाए, कठिनाई में ढाल की तरह खड़ा रहे। लेकिन जब वही पुरुष कमज़ोर पड़ता है, टूटता है, या न्याय चाहता है, तो वह उपेक्षित कर दिया जाता है। पुरुष को यह अधिकार मिलना ही चाहिए कि वह अपनी पीड़ा कह सके, अपने अधिकारों की रक्षा कर सके और गलत आरोपों से मुक्त हो सके। जैसे महिलाओं के लिए सुरक्षा और न्याय के तंत्र बनाए गए, वैसे ही पुरुषों के लिए भी कुछ संवेदनशील और न्यायपूर्ण व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है। यह समझना आवश्यक है कि पुरुष समाज के निर्माण का अभिन्न हिस्सा है-वह पिता है, पति है, पुत्र है, भाई है, मित्र है। उसकी उपस्थिति के बिना किसी भी परिवार या समाज की कल्पना अधूरी है। वह जिम्मेदारियों से भरा हुआ व्यक्ति है, लेकिन इसी वजह से वह सबसे अधिक दबाव और अपेक्षाओं का भार उठाता है। यह भी सच है कि पुरुष ही समाज के विकास, विज्ञान, कला, परिश्रम और संरचना के बड़े हिस्से का वाहक रहा है। लेकिन इस योगदान के बावजूद, आज पुरुषों की समस्याओं के प्रति संवेदना बढ़ाने की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस का संदेश यही है कि महिलाओं के समान ही पुरुषों की भी गरिमा, सुरक्षा, सम्मान और संवेदनाओं की रक्षा की जानी चाहिए। लैंगिक समानता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों पर बने अनुचित पूर्वाग्रहों को भी तोड़ना है। एक स्वस्थ, संतुलित समाज वही है जिसमें दोनों लिंगों की समस्याओं को समान रूप से सुना और समझा जाए। पुरुषों को कठोरता की बेड़ियों से मुक्त कर, उनके भावनात्मक अस्तित्व को स्वीकार करना समय की मांग है। पुरुष दिवस हमें जागरूक करता है कि सह-अस्तित्व, सहयोग, संवाद और करुणा ही पुरुष-स्त्री के संबंधों का वास्तविक आधार हैं। पुरुष और स्त्री एक-दूसरे के विरोधी नहीं, पूरक हैं। इसलिए उनकी समस्याओं, अधिकारों और जिम्मेदारियों को भी पूरक दृष्टि से ही देखा जाना चाहिए। जब समाज पुरुष की पीड़ा को भी उतनी ही गंभीरता से सुनेगा, जितनी वह स्त्री के आर्तनाद पर देता है, तभी हम सच्चे अर्थों में संतुलित और मानवीय समाज का निर्माण कर पाएँगे।

महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कठोर कानून भी बने हैं, लेकिन पुरुष भी घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं। भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। 'सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन' और 'माई नेशन' नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसद से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। वे भी अपने अस्तित्व की सुरक्षा एवं सम्मान के लिये आवाज उठाना चाहते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि यह पुरुष को उसके वास्तविक स्वरूप में देखने, समझने और सम्मान देने का अवसर देता है-एक ऐसे मानव के रूप में, जो जिम्मेदार भी है, संवेदनशील भी; जो मजबूत भी है, पर टूट भी सकता है; जो देता ही नहीं, पाने की भी अपेक्षा रखता है। पुरुष की इस नई समझ के बिना मानवीय समाज की कल्पना संभव नहीं है। यह ऐसा एक वैश्विक उत्सव है जो पुरुषों के सकारात्मक योगदान और उपलब्धियों का जश्न मनाता है, साथ ही पुरुषों के स्वास्थ्य, कल्याण और लैंगिक समानता को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह दिन पुरुषों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने वाली चर्चाओं और कार्यों को बढ़ावा देने, सकारात्मक रोल मॉडल को प्रोत्साहित करने और अधिक समावेशी समाज की वकालत करने का अवसर प्रदान करता है।

यह निजी विचार है।

देश को जनसंख्या लाभांश के फायदे या संसाधनों पर दबाव, बेरोजगारी एक त्रासदी।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार।

भारत आज मात्र एक विशाल जनसंख्या वाला देश नहीं बल्कि वह सभ्यता है जिसकी जनसंख्या देश की आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय दिशा को तय करने वाली निर्णायक शक्ति बन चुकी है। वर्ष 2023 के बाद से भारत विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है और यह संख्या अब लगभग 1.45 अरब के आसपास पहुँच रही है। परंतु यह तथ्य जितना गौरवपूर्ण प्रतीत होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी है, क्योंकि बढ़ती आबादी देश के विकास की धुरी भी है और विकास का बोझ भी। जनसंख्या की यह जटिल स्थिति भारत के लिए दोधारी तलवार के समान हैद्य एक ओर वह अपार युवा ऊर्जा, श्रमशक्ति और आर्थिक संभावनाएँ प्रदान करती है, तो दूसरी ओर वह संसाधनों, शिक्षा, रोजगार और पर्यावरण पर असंतुलित दबाव उत्पन्न कर देती है। यही कारण है कि भारत की जनसंख्या पर किसी भी प्रकार का विमर्श केवल आंकड़ों की चर्चा भर नहीं होता, बल्कि यह राष्ट्रीय विकास, सामाजिक स्थिरता और मानव गुणवत्ता का प्रश्न बन जाता है।

भारत की वर्तमान जनसंख्या संरचना में लगभग 67 से 68 प्रतिशत लोग कार्यशील आयु-वर्ग में आते हैं, जो विश्व में सबसे बड़ा युवा समूह है। यह स्थिति भारत को ÷जनसंख्या लाभांश÷ प्रदान करती है जो हर राष्ट्र को अपनी आर्थिक तेज़ी बढ़ाने का एक ही अवसर देता है। यदि यह युवा समूह शिक्षित, प्रशिक्षित और उत्पादक बन सके तो वह देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने में निर्णायक योगदान दे सकता है। किंतु समस्या यह है कि देश में हर वर्ष लाखों युवा रोजगार की तलाश में निकलते हैं, जबकि गुणवत्तापूर्ण नौकरियों का निर्माण उतनी गति से नहीं हो रहा। बेरोज़गारी दर युवा वर्ग में अभी भी चिंताजनक है और असंगठित क्षेत्रों का व्यापक विस्तार युवाओं को स्थिर रोजगार से दूर कर देता है। यदि रोजगार-सृजन की गति, कौशल विकास और शिक्षा सुधार के साथ तालमेल नहीं बैठ पाया तो वही युवा शक्ति जो अवसर थी, भविष्य में सामाजिक तनाव, आर्थिक दबाव और असंतोष का स्रोत बन सकती है।

बढ़ती जनसंख्या का दूसरा बड़ा प्रभाव प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ रहा है। भारत में जल संकट, भूमि क्षरण, वनों की कटाई, प्रदूषण और ऊर्जा की बढ़ती मांग ये सभी समस्याएँ जनसंख्या के असंतुलित विस्तार से और भी गंभीर हुई हैं। महानगरों में लगातार बढ़ते पलायन ने झुग्गियों का विस्तार, प्रदूषण, ट्रैफिक जाम, जीवन-स्तर में गिरावट और शहरी असमानताओं को बढ़ाया है। देश के जल-स्तर में गिरावट और भू-जल के अत्यधिक दोहन ने कई राज्यों में जल-संकट को स्थायी रूप दे दिया है। ऐसे में बिना सतत संसाधन-प्रबंधन के जनसंख्या वृद्धि विकास की गति को रेंगने पर मजबूर कर देगी।

भारत के विकास की तीसरी प्रमुख चुनौती स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता है। आज भी मातृ मृत्यु दर लगभग 97 प्रति एक लाख जीवित जन्म और शिशु मृत्यु दर 27 प्रति हज़ार के आसपास है, जो यह संकेत देते हैं कि स्वास्थ्य ढांचा अभी भी मजबूत और सर्वसुलभ नहीं बन पाया है। यदि इतनी बड़ी जनसंख्या को स्वस्थ, सक्षम और उत्पादक बनाना है तो स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच, गुणवत्ता और पोषण व्यवस्था को बेहतर बनाना अनिवार्य है। विशेषकर ग्रामीण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुलभ स्वास्थ्य-सेवा उपलब्ध कराना ही दीर्घकालीन जनसांख्यिकीय संतुलन की नींव बनेगा।

अब बात करें शिक्षा की जो किसी भी जनसंख्या नियंत्रण और गुणवत्ता-वृद्धि का सबसे सशक्त माध्यम है। विशेषकर महिला शिक्षा जनसांख्यिकीय परिवर्तन में सबसे निर्णायक भूमिका निभाती है। एक शिक्षित महिला न केवल अपने परिवार में स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा के लिए बेहतर निर्णय लेती है, बल्कि वह परिवार नियोजन के प्रति भी जागरूक होती है। भारत में जिन राज्यों में महिला साक्षरता अधिक है, वहाँ कुल उर्वरता दर स्वतः नियंत्रित हो गई है। इस प्रकार जनसंख्या केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और शिक्षा के प्रसार से नियंत्रित होती है।

रोजगार और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से देश में शुरू की गई योजनाएँ–कौशल विकास अभियान, स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा योजना, आत्मनिर्भर भारत अभियान–कई युवाओं को नया अवसर प्रदान कर रही हैं, किंतु इन योजनाओं का प्रभाव तभी व्यापक होगा जब वे गाँव-गाँव तक संरचना और प्रशिक्षण के साथ पहुँचें। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तो पलायन कम होगा, और शहरों पर भार भी घटेगा। केवल महानगरों और आईटी सेक्टर में रोजगार केंद्रित करने से भारत की विशाल जनशक्ति संतुलित उपयोग नहीं पा पाएगी।

परिवार नियोजन भारत में लोकतांत्रिक एवं स्वैच्छिक मॉडल पर आधारित रहा है। चीन ने जहाँ ÷वन चाइल्ड पॉलिसी÷ अपनाई, वहीं भारत ने सामाजिक सहभागिता, जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से जनसंख्या संतुलन का रास्ता चुना। यह मॉडल टिकाऊ और मानवीय है, परंतु इसके परिणाम तभी मजबूत होंगे जब ग्रामीण समुदायों में जागरूकता, शिक्षा और स्वास्थ्य-सेवा की पहुँच पर्याप्त होगी।

जनसंख्या को केवल बोझ मानना गलत है, क्योंकि वही जनसंख्या यदि सही दिशा और अवसर पाए तो आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत बन सकती है। परंतु इसे अनियंत्रित छोड़ देना राष्ट्र की प्रगति को अवरुद्ध कर सकता है। इसलिए भारत को एकीकृत दृष्टि की आवश्यकता है जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रोजगार सृजन, लैंगिक समानता और पर्यावरणीय स्थिरता को एक साथ जोड़कर देखा जाए।

भारत की जनसंख्या वास्तव में एक विशाल सामर्थ्य है। यदि इसे सही नीति, सही दिशा, सही अवसर और सही सामाजिक वातावरण मिले तो यह भारत को विकासशील से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ा सकती है। लेकिन यदि यह दिशा-विहीन रही तो यही शक्ति देश की सबसे बड़ी बाधा बन सकती है। इसलिए अब समय यही है कि हम संख्या की भीड़ को सक्षम, शिक्षित, स्वस्थ और उत्पादक शक्ति में बदलें तभी यह भूमि अपने जनसमुदाय के बोझ से नहीं, बल्कि उनकी ऊर्जा से आलोकित होगी और भारत अपने जनबल के दम पर विश्व में नई पहचान स्थापित

असली खेल जाति की राजनीति का था

हरिशंकर व्यास

बिहार में अगर एक तरफ 'मुफ्त की रेवड़ी' की बहार थी तो दूसरी ओर जाति राजनीति का दांव था। इसे भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यू ने दोनों को बराबर साधा। सरकारी खजाने से नकद पैसे और मुफ्त की सेवाएं बांट कर सरकार के प्रति बन रही नाराजगी को दूर किया गया। यह एनडीए के रास्ते की सबसे बड़ी चुनौती थी कि नीतीश कुमार की सत्ता 20 साल की हो गई और लगातार 20 साल सरकार में रहने की वजह से कहीं न कहीं लोगों में नाराजगी है या थकान और उब है। इसको दूर करने के लिए सरकारी खजाने का मुंह खोल दिया गया।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ा कर चार सौ से 11 सौ रुपए की गई और 125 यूनिट बिजली फ्री कर दी गई। इसके बाद चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए डाले गए। असल में इन तमाम योजनाओं के जरिए नीतीश या मोदी को कोई नया वोट नहीं जोड़ना था। उनको अपने पुराने वोट को साथ में बनाए रखना था। उनको पता था कि यह वोट जातिगत आधार पर या वैचारिक रूप से राजद के खिलाफ है। लेकिन वह घर न बैठे या नाराज होकर दूसरी तरफ न जाए इसलिए ये योजनाएं चलाई गईं और अंत में इनका लाभ मिला।

परंतु ये तमाम योजनाएं पूरक की तरह थीं। असली खेल जाति की राजनीति का था। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि बिहार विधानसभा का यह चुनाव जाति गणना के बाद का पहला चुनाव था। जाति गणना में बिहार में जातियों की जो संख्या पता चली उसके बाद सारी जातियां अपनी संख्या के हिसाब से राजनीति में हिस्सेदारी के लिए तैयार हो गईं। कह सकते हैं कि यह नीतीश कुमार की योजना का हिस्सा था, जो उन्होंने जातियों को इतना बिखरा दिया। चूंकि इन जातियों के पास पहले से नेता नहीं थे तो स्वाभाविक रूप से नीतीश कुमार उनके नेता हुए। इसका कारण यह है कि सामाजिक स्तर पर कमजोर और कम आबादी वाली पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों का टकराव यादव के साथ है। सो, पिछले 20 साल से जिस फॉर्मूले पर नीतीश कुमार राजनीति कर रहे थे उसी फॉर्मूले को उन्होंने आगे बढ़ाया।

तमाम गैर यादव पिछड़ी जातियों और अत्यंत पिछड़ी जातियों को एकजुट किया और उसमें दलित व भाजपा के समर्थन से अगड़ी जातियों को जोड़ा। याद करें कैसे नीतीश कुमार 1994 में जब लालू प्रसाद से अलग हुए थे तब उन्होंने गैर यादव पिछड़ी जातियों में कोईरी, कुर्मी और धानुक की करीब 10 फीसदी आबादी का एक समीकरण बनाया था। आज तक यानी 30 साल बाद भी वह समीकरण काम कर रहा है। इसी तरह नरेंद्र मोदी के दिल्ली आने के बाद से हर चुनाव में बिहार में बताया जाता है कि वे अति पिछड़ी जाति से आते हैं। सो, नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नाम पर गैर यादव पिछड़ा व अति पिछड़ा को साथ रखना बहुत आसान हो गया।

दूसरी ओर समस्या यह है कि राष्ट्रीय जनता दल अपने मुस्लिम और यादव यानी माई समीकरण से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। यह लालू प्रसाद यादव के समय से ही शुरू हुई समस्या है। जब 1990 में वे मुख्यमंत्री बने तो वे गरीबों के मसीहा थे। उसके बाद 1995 में पहली बार पूर्ण बहुमत से सत्ता में आए तो पिछड़ों के नेता हुए और उसके बाद वे मुसलमानों और यादवों के नेता बन गए। तेजस्वी यादव लाख कोशिश करके भी इससे आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। उन्होंने बार बार ए टू जेड का समीकरण बनाने की बात कही लेकिन यह एक सांस्थायिक प्रयास नहीं था। उनको लगता रहा कि वे चुनाव में टिकट दे देंगे तो जातियों का वोट उनको मिल जाएगा। इस उम्मीद में उन्होंने इस बार टिकटों में विविधता लाने का प्रयास किया। लेकिन जातियों को साधना इतना आसान नहीं होता है। उनकी अपनी जाति यानी यादव अभी तक इस माइंडसेट से नहीं निकले हैं कि उनको सत्ता से बाहर हुए दो दशक हो गए हैं। दो बार तेजस्वी उप मुख्यमंत्री बने तो वह नीतीश कुमार की कृपा थी। यादव अपने को सत्ता का स्वाभाविक दावेदार मानते हैं, जिससे उनका जमीनी स्तर पर दूसरी जातियों के साथ स्थायी टकराव बना रहता है।

तभी कह सकते हैं कि अंत में जीत उस गठबंधन की हुई, जिसके पास जातियों का बड़ा समीकरण था। नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के गुलदस्ते में सभी गैर यादव पिछड़ी जातियां हैं और इस बार चिराग पासवान व जीतनराम मांझी के होने से लगभग पूरा ही दलित समुदाय भी था। सवर्ण एनडीए के स्वाभाविक मतदाता हैं। सो, मुस्लिम और यादव के 32 फीसदी वोट के मुकाबले दूसरी ओर करीब 66 फीसदी वोट का समीकरण था, जिसमें गैर यादव हिंदू पिछड़ा 10 फीसदी, हिंदू अति पिछड़ा 26 फीसदी, दलित 20 फीसदी और सवर्ण 10 फीसदी हैं। तभी एनडीए को लगभग 48 फीसदी वोट मिलना बहुत हैरान करने वाला नहीं है। लोकसभा चुनाव में एनडीए को 47 फीसदी से कुछ ज्यादा वोट आया था। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि महागठबंधन को लोकसभा में जो 38 फीसदी वोट मिला था वह उसको बनाए नहीं रख सका। इसमें थोड़ी सी ही सही लेकिन कमी आ गई। **यह निजी विचार है।**

नेशनल वन हेल्थ मिशन संपूर्ण सरकार और संपूर्ण समाज के सहयोग का एक अनूठा उदाहरण है

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा ने भारत मंडपम में आयोजित 'नेशनल वन हेल्थ मिशन असेंबली 2025' में उद्घाटन भाषण दिया

'वन अर्थ, वन हेल्थ, वन फ्यूचर' केवल एक थीम नहीं है ङ्क यह स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने और भविष्य की महामारियों के खिलाफतैयारी बढ़ाने के हमारे दृष्टिकोण की नींव है: नड्डा

जूनोटिक और जलवायु संबंधी खतरों का सामना करने के लिए सभी क्षेत्रों में एकीकृत और त्वरित प्रतिक्रिया आवश्यक है: डॉ वीके पॉल

संयुक्त प्रशिक्षण और इकोसिस्टम-व्यापी क्षमता निर्माण के माध्यम से एक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की एक नई पीढ़ी का निर्माण करने की आवश्यकता है

पीआईबी

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और वन हेल्थ पर कार्यकारी संचालन समिति के अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन हॉल में एक वीडियो संदेश के ज़रिये नेशनल वन हेल्थ मिशन असेंबली 2025 में उद्घाटन भाषण दिया। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी.के. पॉल, वन हेल्थ पर वैज्ञानिक संचालन समिति के अध्यक्ष तथा केंद्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. अजय के. सूद और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव एवं भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल भी उपस्थित थे।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम का विषय है: ÷ज्ञान को व्यवहार में लाना ङ्क वन अर्थ, वन हेल्थ, वन फ्यूचर÷।

सभा को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने थीम की समयबद्धता को रेखांकित किया, यह देखते हुए की यह समग्र स्वास्थ्य के प्रति देश की बढ़ती प्रतिबद्धता और वैश्विक प्राथमिकताओं के साथ इसके संरेखण को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ÷ 'एक अर्थ, वन हेल्थ, वन फ्यूचर' सिर्फ़एक थीम नहीं है - यह स्वास्थ्य सुरक्षा को मज़बूत करने और भविष्य की महामारियों के ख़िलाफ़ तैयारी बढ़ाने के लिए हमारे दृष्टिकोण की नींव है।÷

पिछले एक दशक में स्वास्थ्य अनुसंधान और नवाचार में भारत की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारत फ़ार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने वैक्सीन विकास में देश की उपलब्धियों का उल्लेख किया, जिसमें कोवैक्सिन, कोविशील्ड, कॉर्बेवैक्स जैसे स्वदेशी कोविड-19 टीके और दुनिया का पहला इंट्रानेजल कोविड-19 टीका शामिल है। उन्होंने कहा, ÷भारत ने सौ से ज़्यादा देशों के लिए टीके विकसित किए और उनकी आपूर्ति की है, जो एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में हमारी भूमिका की पुनः पुष्टि करता है।÷

श्री नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि भारत ने अगली पीढ़ी के वैक्सीन प्लेटफॉर्मों - जिनमें एमआरएनए, डीएनए, वायरल वेक्टर और बायोसिमिलर शामिल हैं - में भी मजबूत प्रगति हासिल की है, जिससे उभरते स्वास्थ्य खतरों के प्रति त्वरित प्रतिक्रिया के लिए देश की क्षमता मजबूत हुई है।

निदान के क्षेत्र में भारत की प्रगति के बारे में बोलते हुए श्री नड्डा ने कहा, ÷निदान क्षेत्र में भारत हमारे प्रतिभाशाली शोधकर्ताओं, बढ़ते स्टार्ट-अप इकोसिस्टम और मजबूत प्रौद्योगिकी संबंधी क्षमताओं द्वारा संचालित एक नवाचार केंद्र बन गया है। ट्रूनेट, पैथोडिटेक्ट और सीआरआईएसपीआर-आधारित परीक्षणों जैसे समाधानों ने निदान को तेज़, अधिक सटीक और अधिक सुलभ बना दिया है।÷ उन्होंने जीनोमिक निगरानी में आईएनएसएसीओजी की भूमिका पर भी प्रकाश डाला और बताया कि कोविन (सीओडब्ल्यूआईएन) जैसे प्लेटफ़ॉर्म ने उच्च-गुणवत्ता वाली, जनसंख्या-स्तरीय डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों के निर्माण में भारत की क्षमता को कैसे प्रदर्शित किया।

नेशनल वन हेल्थ मिशन का ज़िक्र करते हुए श्री नड्डा ने इसे महामारी से लड़ने तैयारी की दिशा में भारत के सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक बताया। यह मिशन मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि, औषधि, रक्षा, पृथ्वी विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान और आपदा प्रबंधन जैसे 16 विभिन्न केंद्रीय और राज्य मंत्रालयों/विभागों को एकीकृत करता है। उन्होंने कहा, ÷नेशनल वन हेल्थ मिशन संपूर्ण सरकार और संपूर्ण समाज के सहयोग का एक अनूठा उदाहरण है। पहली बार, हमने सभी संबंधित मंत्रालयों और विभागों को मानव, पशु, पौधों और पर्यावरण के स्वास्थ्य के लिए सामूहिक रूप से काम करने हेतु एक साथ लाया है।÷ केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि मिशन ने प्रमुख गतिविधियों को लागू करना शुरू कर दिया है, जिसमें एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध और संक्रामक रोगजनकों की निगरानी के लिए बूचड़खानों, पक्षी अभयारण्यों, चिड़ियाघरों और प्रमुख शहरों में अपशिष्ट जल प्रणालियों में एकीकृत निगरानी शामिल है। उन्होंने आगे कहा, ÷संयुक्त प्रकोप जांच और चिकित्सा काउंटरमेजर्स का विकास चल रहा है, जो हमारे महामारी से लड़ने की तैयारी संबंधी आर्किटेक्चर को मज़बूत कर रहा है।÷

उन्होंने मिशन के तहत 23 बीएसएल-3 और बीएसएल-4 प्रयोगशालाओं के एक राष्ट्रीय नेटवर्क की स्थापना पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ÷ये उच्च-नियंत्रण प्रयोगशालाएं उभरते या उत्परिवर्तित रोगजनकों के विरुद्ध हमारी पहली रक्षा पंक्ति हैं। वे खतरों का शीघ्र पता लगाने और त्वरित प्रतिक्रिया देने की हमारी क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएंगी।÷ मंत्री महोदय ने इस बात पर ज़ोर दिया कि वन हेल्थ दृष्टिकोण महामारियों के लिए पूर्व चेतावनी प्रणालियों को सक्षम बनाएगा, एकीकृत हस्तक्षेपों को समर्थन देगा और भारत को भविष्य के लिए तैयार रहने में मदद करेगा। उन्होंने इस सभा के आयोजन के लिए सभी हितधारकों को बधाई दी और कहा कि यह सम्मेलन सहयोग, ज्ञान साझाकरण और विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने अपने संबोधन के अंत में कहा, ÷यह सभा सहयोग, नवाचार और तैयारी की भावना का प्रतिनिधित्व करती है। मैं इस कार्यक्रम की बड़ी सफलता की कामना करता हूं और आशा करता हूं कि यह सभी के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।÷

इस अवसर पर बीएसएल3 प्रयोगशाला नेटवर्क एसओपी संग्रह जारी किया गया, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रयोगशालाएं सामंजस्यपूर्ण प्रोटोकॉल का पालन करें।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. वी.के. पॉल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आज एक एकीकृत, सहयोगात्मक इकोसिस्टम के माध्यम से मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एक सच्चे जन आंदोलन की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि एक अर्थ, वन हेल्थ, वन फ्यूचर का विषय एक शक्तिशाली राष्ट्रीय मंत्र को दर्शाता है, जिसे सामूहिक कार्रवाई का मार्गदर्शन करना चाहिए।

भरेंगांव व सुरगी के सरकारी स्वास्थ्य केंद्र भगवान भरोसे, ग्रामीणों का निजी दवाखानों की ओर रुख

राजनांदगांव। क्षेत्र के भरेंगांव स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर और आदर्श ग्राम सुरगी के स्वास्थ्य केंद्रों की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराज़गी है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों ही सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं का हाल बेहद खराब है। डॉक्टरों की अनियमित मौजूदगी, दवाओं की कमी और लापरवाह कार्यशैली के कारण मरीजों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थिति यह है कि ग्रामीणों को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसा नहीं रह गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि ÷यहाँ अस्पताल भगवान भरोसे चल रहा है, न समय पर डॉक्टर, न दवा–इसलिए मजबूरन हमें निजी दवाखानों का सहारा लेना पड़ता है।÷ सरकारी व्यवस्था की इस लापरवाही का सीधा असर ग्रामीणों की जेब पर भी पड़ रहा है। निजी दवाखानों में इलाज महंगा होने के बावजूद वहाँ भीड़ उमड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सरकारी स्वास्थ्य केंद्र ठीक से काम करें तो लोगों को निजी क्लीनिकों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाया जाए, नियमित डॉक्टरों की नियुक्ति हो और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि गांवों में स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी पर लौट सके।

सरपंच लता देवल साहू के नेतृत्व में जंगलेसर में विकास की गूंज, 160 आवासो का भूमिपूजन

राजनांदगांव जिले की सबसे बड़ी उपलब्धि –जंगलेसर में पी एम आवासों का भव्य भूमि पूजन*

राजनांदगांव।

जनपद पंचायत राजनांदगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत जंगलेसर में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत 160 आवासों का सामूहिक भूमिपूजन बड़े ही उत्साह और गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। यह अवसर ग्राम के विकास इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हो रहा है, क्योंकि पहली बार इतनी बड़ी संख्या में पात्र हितग्राहियों को एक साथ स्थाई आवास निर्माण की सौगात मिली है।

उच्च अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ कार्यक्रम

आयोजित कार्यक्रम में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) श्री मनीष साहू, ग्राम पंचायत की लोकप्रिय सरपंच श्रीमती लता देवल साहू, पंचायत सचिव बरातू पटेल,उप सरपंच अनिल यादव रोजगार सहायक , कंप्यूटर ऑपरेटर रीना चंद्राकर सहित पूरे पंचायत अमले और समस्त पंचगण की गरिमामय उपस्थिति रही। मंच पर उपस्थित प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से भूमिपूजन कर आवास निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत की।

सीईओ ने किया प्रगति का अवलोकन*

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद पंचायत सीईओ श्री मनीष साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य हर पात्र परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि जंगलेसर पंचायत में सभी आवासों का कार्य नियमानुसार, गुणवत्तापूर्ण और समय-सीमा में पूरा कराने के लिए जनपद प्रशासन लगातार निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग कर रहा है। उन्होंने हितग्राहियों को समय पर निर्माण पूर्ण करने का आग्रह भी किया।

सरपंच लता देवल साहू की सक्रिय भूमिका*

ग्राम पंचायत जंगलेसर की सरपंच श्रीमती लता देवल साहू के नेतृत्व में पंचायत स्तर पर सभी प्रक्रियाएँ पारदर्शी और सुचारू रूप से पूरी की गईं। सरपंच ने कहा– ÷प्रधानमंत्री आवास योजना वास्तव में गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है।

योग जीवन जीने की कला–20वीं कड़ी में छात्रों ने सीखे सफल जीवन के सूत्र

राजनांदगांव।

शासकीय बक्शी स्कूल, गौरव पथ में योग जीवन जीने की कला कार्यक्रम की 20वीं कड़ी उत्साहपूर्वक आयोजित की गई। कार्यक्रम में छात्राओं को ऊर्जा, एकाग्रता और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के practically तरीके सिखाए गए।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षकों ने हर समय पूरी ऊर्जा से सक्रिय रहने की क्रिया का प्रदर्शन किया। साथ ही भ्रामरी प्राणायाम के अद्भुत लाभों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसके नियमित अभ्यास से पीयूष ग्रंथि सक्रिय होती है, जिससे स्थिरता, एकाग्रता तथा स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है। यह हर उम्र के लिए अत्यंत उपयोगी बताया गया।

व्याख्यान में छात्राओं को दैनिक जीवन में पूर्ण ध्यान लगाने की आदत विकसित करने प्रेरित किया गया–

जब रसोई में काम करें तो ध्यान वहीं रहे, जब खेलें तो खेल पर और जब पढ़ाई करें तो मन पूर्ण रूप से पढ़ाई में केंद्रित होना चाहिए।

वक्ता ने यह भी समझाया कि अपनी तुलना दूसरों से करने पर ऊर्जा नकारात्मक दिशा में जाती है, इसलिए तुलना को सीढ़ी बनाकर आगे बढ़ना चाहिए।

योग का अर्थ 'जोड़ना' है–और ध्यान मन को शांत कर सही दिशा में केंद्रित करता है।

वक्ता ने ध्यान को एक टॉर्च की तरह बताया–÷जिधर आप ध्यान रूपी टॉर्च चलाएंगे, जीवन में वही प्रकाशित होगा।÷

उन्होंने स्पष्ट किया कि ध्यान का उद्देश्य केवल संत बनना नहीं, बल्कि एकाग्र चित्त होकर पढ़ाई में उत्कृष्ट परिणाम लाना है। छात्राओं की जिज्ञासाओं से भरे प्रश्नों का समाधान भी विशेषज्ञों द्वारा किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी, राजनांदगांव के निर्देशानुसार पतंजलि योग समिति द्वारा जिले की सभी तहसीलों में यह कार्यक्रम सतत रूप से चलाया जा रहा है, जो छात्राओं के बौद्धिक, मानसिक व व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

योग से स्थिरता, एकाग्रता तथा स्मरण शक्ति में वृद्धि

कार्यक्रम में पतंजलि योग समिति से हेमन्त तिवारी, दिलीप कुमार राम तथा शा. बक्शी स्कूल से प्राचार्य श्रीमती सुनीता खरे, ओ.पी. देवांगन, सत्येंद्र देवांगन, सी. रामटेके, अनुरुद्ध साहू, नमिता श्रीवास्तव, शैल कुमारी साहू, रानू साहू सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे। इस संबंध में जानकारी शासकीय सेवानिवृत्त श्री पेंढारकर द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

भारत ने ब्राजील के बेलेम में कॉप 30 में संयुक्त ऋण व्यवस्था को समान, मापन योग्य वैश्विक जलवायु कार्रवाई के लिए महत्वपूर्ण साधन बताया

पीआईबी

जेसीएम उन्नत निम्न-कार्बन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देगी और भारत के एनडीसी को समर्थन देगी: श्री भूपेंद्र यादव

भारत और जापान ने पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के तहत मजबूत जलवायु साझेदारी की पुष्टि की

पीआईबी

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री, श्री भूपेंद्र यादव ने 11वीं जॉइंट क्रेडिटिंग मैकेनिज्म (जेसीएम) के साझेदार देशों की बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक 19.11.2025 को जापान के पर्यावरण मंत्रालय ने आयोजित की। बैठक ब्राजील के बेलेम में यूएनएफसीसीसी कॉप 30 के दौरान हुई। बैठक की अध्यक्षता जापान के पर्यावरण मंत्री महामहिम श्री हिरोताका इशिहारा ने की। संयुक्त ऋण व्यवस्था (जेसीएम) मूल रूप से जापान द्वारा शुरू की गई द्विपक्षीय पहल है, जो भारत जैसे साझेदार देशों में निम्न-कार्बन प्रौद्योगिकियों और निवेश के प्रवाह को प्रोत्साहित करती है। इस व्यवस्था के तहत, परियोजनाओं से होने वाले उत्सर्जन में कमी का श्रेय साझेदार देश और जापान दोनों को संयुक्त रूप से दिया जाता है, जिससे उन्हें अपने-अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिलती है। उन्होंने जेसीएम साझेदार देशों के मंत्रियों और प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर इस प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने दोनों देशों के जलवायु सहयोग को मज़बूत करने की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

शुरुआती भाषण में महामहिम श्री इशिहारा ने बताया कि जेसीएम ने अपने साझेदारों की सूची बढ़ाकर 31 कर दी है और पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के अनुसार 280 से ज़्यादा परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। उन्होंने आशा प्रकट कीकि लंबे समय के निवेश के लिए रूपरेखा बनाकर, जलवायु लचीली परियोजनाओं में साझेदार देशों के लिए भागीदारी के अवसर पक्के करके और क्षमता बढ़ाने के कार्यक्रमों को समर्थन करके, दुनिया भर में सहयोग का विस्तार किया जाएगा।

इस अवसर पर श्री यादव ने ऐसे समय में सहयोग व्यवस्था के महत्व पर ज़ोर दिया जब दुनिया मापन योग्य, समान और प्रौद्योगिकी-चालित जलवायु समाधान ढूंढ रही है। उन्होंने ज़ोर दिया कि जेसीएम जैसी व्यवस्था ÷ विशेषरूप से विकासशील देशों के लिए, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को समर्थन प्रदान करते हुए जलवायु कार्रवाई के प्रयासों को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं।÷ उन्होंने कहा कि भारत और जापान के बीच ÷विश्वास, प्रौद्योगिकी सहयोग और टिकाऊ विकास के लिए साझा प्रतिबद्धता पर आधारित लंबे समय से चली आ रही साझेदारी है।÷

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री राहुल टिकरिहा के प्रथम रायगढ़ जिला आगमन पर भाजपा कार्यालय में स्वागत

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./याँ.) संभाग नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

ज्ञाप क्रमांक 1959/नि.लि. नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11/11/2025

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा आमंत्रण क्रं. 25 सूचना क्रं 1924/NIT-25/2025–26/व.ले.लि नवा रायपुर दिनांक 07/11/2025 निविदा को अपरिहारर्य कारणों से एतद द्वारा निरस्त किया जाता है।

निविदा संबंधित शेष सभी शर्ते यथावत रहेगी।

जी. क्रमांक– 252604619

g-252604911/2

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (वि./यां.) संभाग
नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

बाल दिवस पर सुखरीकला में विविध खेल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

जांजगीर चांपा।

गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल सुखरीकला मे तीन दिवसीय बाल दिवस कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह 14 नवंबर से 18 नवंबर तक विविध प्रकार के खेल प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे पूर्व रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डीसी बंजारे प्राचार्य खम्हार जिला रायगढ़ तथा विशिष्ट अतिथि टेम लाल चौहान अध्यक्ष शिक्षा समिति सुखरीकला, संतोष सोनंत उपसरपंच सुखरीकला, तिरथराम तांब्रे सदस्य शिक्षा समिति तथा अध्यक्षता संस्था प्रमुख प्राचार्य बीएल चौधरी की उपस्थिति मे संपन्न हुआ।

खेल शिक्षक सनत कालेलकर के विशेष मार्ग दर्शन मे खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे श्रो बाल बालिका वर्ग मे कु.कल्पना साहू विवेकानंद सदन एवं कु.जागृति अम्बेडकर सदन प्रथम कु.प्रिया बरेठ रानी लक्ष्मीबाई सदन द्वितीय कु.सुहानी चौहान विवेकानंद सदन तृतीय स्थान प्राप्त किये। श्रो बाल बालक वर्ग मे पियुष बैरागी प्रथम रानी लक्ष्मीबाई सदन, विक्रम बरेठ द्वितीय विवेकानंद सदन तथा देवकुमार तृतीय स्थान सावित्रीबाई सदन प्राप्त किये।स्लो साइक्लिंग बालक वर्ग मे शुभम सिदार प्रथम, नमन चौहान द्वितीय, देवकुमार तृतीय तथा स्लो साइक्लिंग बालिका वर्ग मे आकांक्षा यादव प्रथम, पुनम

केवट द्वितीय, दुर्गेश्वरी कश्यप तृतीय स्थान पर रहे। रस्सा कसी बालिका वर्ग मे स्वामी विवेकानंद सदन प्रथम तथा अम्बेडकर सदन द्वितीय स्थान पर रहा।

रस्सा कसी बालक वर्ग मे अम्बेडकर सदन प्रथम एवं सावित्रीबाई फूले सदन द्वितीय स्थान प्राप्त किये। शिक्षक वर्ग श्रो बाल मे प्रथम स्थान बीएल चौधरी प्राचार्य,तथा भृत्य पुनीतराम खाण्डे, द्वितीय स्थान पर बुधराम यादव भृत्य तृतीय स्थान पर अश्वनी लहरे व्याख्याता ने जीत हासिल किया। इसी तरह प्राथमिक शाला शांति नगर से आकांक्षा तांब्रे,सुनील बरेठ हिमांशु बरेठ, यशवंत, सुरभि साहू ने श्रो बाल मे अपनी जौहर का प्रदर्शन किये। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत कृति यादव भाषण मे प्रथम ,पुनम केवट द्वितीय, कु ज्योति -कु चांदनी तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार कु पुष्पांजलि यादव, रघुबीर सिंह कंवर को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर डीसी बंजारे व्याख्याता सुखरीकला को प्राचार्य पद पदोन्नत होकर जिला रायगढ विखं लैलूगा हाईस्कूल खम्हार के लिए भावभीनी विदाई एवं सम्मान विद्यालय परिवार के द्वारा शाल श्रीफल मोमेन्टो एवं प्रतीक चिह्न भेट कर विदाई दी गई। कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर विद्यालय परिवार के द्वारा सभी छात्र छात्राओ सहित स्टाफ सदस्यगण तथा पंचायत के पंचगणो को खीर पुडी चांवल दाल सब्जी भोजन खिलाया गया। कार्यक्रम मे मंच संचालन एस के कालेलकर पीटीआई तथा आभार प्रदर्शन प्राचार्य बीएल चौधरी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे व्याख्यातागण केएस कंवर,आरके राठौर,एएल डहरिया, एमआर राज,अश्वनी लहरे, डीएल कंवर, एलएन सोनकर,श्री मति एम अवस्थी, श्री मति अनिता साहू ज्योति सोनी, पुरूषोत्तम कंवर संजय कर्ष, ओपी साहू,युवराज सिंह, रघुनाथ बरेठ, पुनीतराम, अरविंद यादव, नान बाई प्रधान, बुधराम यादव सहित एनएसएस स्वयंसेवक आर्यन टंडन, रघुबीर सिंह कंवर, खोमंत मन्नेवार, ओमकिशन, उमेश, विकेश, यामिनी साहू, दुर्गेश्वरी कश्यप, अंजली, तनिषा मन्नेवार, सहित छात्र छात्राओ और पंचायत के पंचगणो का सक्रिय सहयोग रहा।

शराब पीने के लिए पैसे की मांग करने के आरोपी को जांजगीर पुलिस ने किया गिरफ्तार

जांजगीर चांपा /

शराब पीने के लिए पैसे की मांग करने के आरोपी को जांजगीर पुलिस ने गिरफ्तार किया है । मामले का विवरण इस प्रकार है कि आरोपी ललित नामदेव द्वारा प्रार्थी बोधराम नामदेव निवासी बीडी महंत जांजगीर से दिनांक 19 नवंबर 2025 को रात्रि करीब 9 बजे शराब पीने के लिये पैसा मांग रहा था । प्रार्थी द्वारा पैसा नही देने मना किया तो आरोपी द्वारा उसे अश्लील गाली गलौच देते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट कर वहां से भाग गया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। थाना जांजगीर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय थाना प्रभारी जांजगीर एवम प्रधान आरक्षक आलोक शर्मा का योगदान रहा।

जिला अधिवक्ता संघ द्वारा वार्षिक खेल का आयोजन

जांजगीर चांपा /

जिला अधिवक्ता संघ जांजगीर द्वारा वार्षिक खेलों का आयोजन किया जा रहा है जो अपने अन्तिम पड़ाव पर पहुंच गया है। इस वार्षिक खेलों का उद्घाटन जिला एवम् सत्र न्यायाधीश श्री शक्ति सिंह राजपूत ने शहर के हाई स्कूल मैदान में न्यायाधीश गण जिला अधिवक्ता संघ के सभी सदस्यों तथा न्यायालीन कर्मचारियों की उपस्थिति में किया जिसमें विभिन्न खेल क्रिकेट, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज व कुर्सी दौड़ को शामिल किया गया है ।

क्रिकेट मैच में कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया फाइनल मुकाबले जिला न्यायायिक कर्मचारी संघ ने यूनिटी अधिवक्ता क्लब के 123 रन बनाकर मिले 124 रन के लक्ष्य को हासिल कर विजेता बना । इसी तरह कैरम के फाइनल मुकाबले में अनुप मजुमदार ने सौरभ बनारसे को हरा कर विजय रहे बैडमिंटन में खेल मे साकेत केशरवानी एकल खिताब जीता तो अजय केशरवानी और शेखर साहू युगल ग्रुप के खिताब पर कब्जा किया। शतरंज खेल के सेमीफाइनल मुकाबले अनिल राठौर सन्तोष साहू तथा परमेश्वर कश्यप और एस जी परमानंद के मध्य खेला जाएगा तथा कुर्सी दौड़ का खेल में उषा शांडिल्य विजय हुई और निन्नी लेदर दूसरे स्थान पर रही ।

जिला अधिवक्ता संघ जांजगीर के इस खेल आयोजन को जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अजय केशरवानी, सचिव योगेश गोपाल उपाध्यक्ष विनीत राठौर, सांस्कृतिक एवम् क्रीड़ा सचिव अनिल राठौर, कोषाध्यक्ष दीपक राठौर, सहसचिव इंद्रजीत राठौर ग्रंथालय सचिव शिवनारायण यादव, महिला उपाध्यक्ष उषा शांडिल्य तथा कार्यकारणी सदस्य चेतन कोशले, उमेश राठौर, लक्ष्मी प्रधान, कमल शांडेय मंजू रात्रे, योगेन्द्र मारवर तथा तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के सहयोग से खेल आयोजन अपने अन्तिम पड़ाव पर पहुंच गया है।

आंजनेय यूनिवर्सिटी : सांसद खेल महोत्सव ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता का सफल आयोजन

रायपुर। सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत आज आंजनेय यूनिवर्सिटी परिसर, नरदहा में ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का भव्य और सफल आयोजन किया गया। क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से आए खिलाड़ियों ने उत्साह और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कार्यक्रम में कुल नौ खेल—कबड्डी, कुश्ती, वॉलीबॉल, खो-खो, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम का आयोजन किया गया। प्रत्येक खेल में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रतिभा और अनुशासन का परिचय दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल जी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता करवाना नहीं, बल्कि युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाना और उन्हें एक उज्ज्वल भविष्य की दिशा देना है। खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का सबसे बड़ा माध्यम है। यहाँ उपस्थित सभी खिलाड़ी हमारे क्षेत्र की उभरती हुई शक्ति हैं। मेरा विश्वास है कि आपमें से कई खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। हम सबको मिलकर खेल संस्कृति को और मजबूत बनाना है। स्वागत उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री अभिषेक अग्रवाल ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हमारे लिए यह गौरव का विषय है कि सांसद खेल महोत्सव जैसे महत्वपूर्ण आयोजन का ब्लॉक स्तरीय चरण हमारे परिसर में सफलतापूर्वक संपन्न हो रहा है। खेल न केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं बल्कि व्यक्तित्व, नेतृत्व और अनुशासन का निर्माण भी करते हैं।

मनुष्य का शरीर बार-बार नहीं मिलता इसे प्राप्त करके व्यर्थ मत खोना- स्वामी मधुसूदनाचार्य

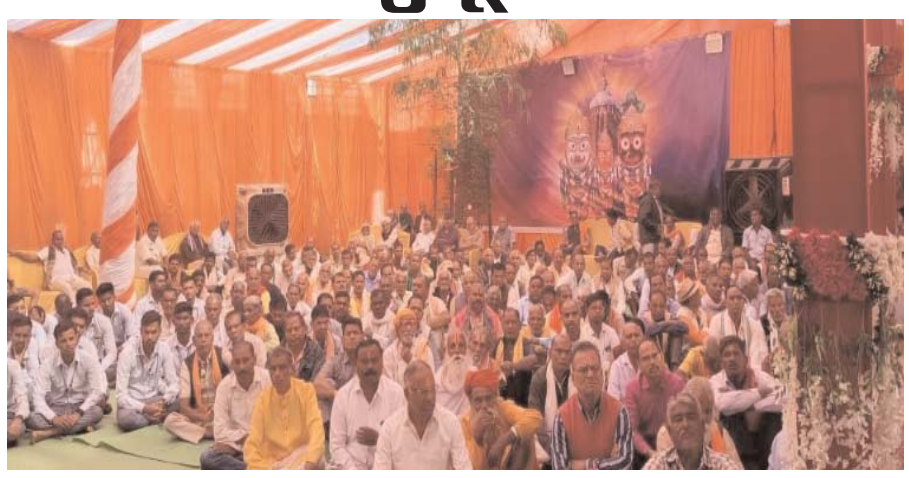

गृहस्थ के लिए उसका घर ही तपोवन है

जांजगीर चांपा /

जब यज्ञ का अनुष्ठान करने का संकल्प करोगे तो सबसे पहले देवता ही विघ्न करते हैं और जब आप दृढ़ता पूर्वक आगे बढ़ोगे तो वही देवता सहायता भी करते हैं इसलिए अपने नियमों पर दृढ़ता पूर्वक डटे रहना!* यह बातें श्रीधाम अयोध्या पुरी उत्तर प्रदेश से पधारे हुए अनंत श्री विभूषित श्री स्वामी मधुसूदनाचार्य वेदांताचार्य जी महाराज ने व्यास पीठ की आसंदी से अभिव्यक्त की, वे श्री शिवरीनारायण मठ महोत्सव में श्रोताओं को श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा सुना रहे थे।

उन्होंने कहा कि *तुम्हारा शरीर कितना भी सुंदर हो! कितना सुडौल हो! याद रखना इसकी केवल तीन गति है, या तो यह सड़ कर कीड़ा बन जाएगा, किसी पशु ने खा लिया तो विष्ठा बन जाएगा और नहीं तो दाह संस्कार के बाद राख बन जाएगा।* मनुष्य का शरीर बार-बार नहीं मिलता इसे प्राप्त कर व्यर्थ मत खोना, *निरंतर हरि का चिंतन करना उनका स्मरण करना और अपने जीवन का मार्ग सुधार लेना तब तुम्हारा मनुष्य तन प्राप्त करना सार्थक हो जाएगा*। भगवान के भजन करने के लिए घर छोड़ने की आवश्यकता नहीं है। वन में जाने की आवश्यकता नहीं है। यदि घर छोड़कर जाओगे तो जंगल में कुटिया बनाओगे, तुम्हारा पेट तुम्हारे साथ जाएगा, भूख वहां भी लगेगी। तुम्हारे सारे दुख दर्द भी साथ जाएंगे फिर वही करोगे जो यहां करते हो इसलिए अपने गृहस्थ जीवन में ही भगवान की साधना करना, गृहस्थ के लिए उसका घर ही तपोवन है। और हां जब भगवान का निरंतर चिंतन करोगे तो अपने स्वरूप का ज्ञान हो जाएगा जीव ईश्वर से बिछड़ा हुआ है। यह साक्षात ईश्वर ही ह श्री रामचरितमानस में लिखा है कि *ईश्वर अंश जीव अविनाशी*।। समुद्र का एक बूंद जल भी खारा होता है और पूरा समुद्र भी खारा ही होता है। *

भगवान एक बार अपने भक्त का हाथ पकड़ लेते हैं तो संसार में कोई भी उसका बाल बांका नहीं कर सकता! जिसका रक्षक भगवान है उसका भक्षक इस संसार में कोई नहीं हो सकता!* मंच पर मुख्य यजमान के रूप में हमेशा की तरह महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज विराजित थे।

छत्तीसगढ़ शासन के सचिव और कलेक्टर हुए सम्मिलित श्रीमद् भागवत महापुराण में चतुर्थ दिवस दोपहर में काफी भीड़ थी गरियाबंद, राजिम, रायपुर जैसे दूरस्थ अंचल से श्रोता यहां पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। इसी तारतम्य में छत्तीसगढ़ शासन के सचिव एस प्रकाश, जिला जांजगीर चांपा के कलेक्टर जन्मेजय महोबे, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, थानेदार शिवरीनारायण, सहित सभी प्रशासनिक अधिकारी सम्मिलित हुए।

नाबालिक बालिका को शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण

आरोपी को शिवरीनारायण पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

जांजगीर चांपा / नाबालिग बालिका को शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण के आरोपी को शिवरीनारायण पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया है । मामले का विवरण इस प्रकार है कि नाबालिक बालिका को आरोपी दिनांक 5 अक्टूबर 2025 को बहला फुसलाकर अपहरण कर ले गया था जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना शिवरीनारायण में अपराध क्रमांक 436/2025 धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। नाबालिक बालिका पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में आरोपी दादूराम महिपाल को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर कर भगा ले जाना एवं शादी का झांसा देकर जबरदस्ती दैहिक शोषण करना जुर्म स्वीकार किये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर आज दिनांक 20 नवंबर 2025 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

प्रभारी सचिव श्री एस प्रकाश ने ली अधिकारियों की बैठक

धान खरीदी के सुचारू क्रियान्वयन सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा की

जांजगीर-चांपा / जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत धान खरीदी कार्य को सुचारू एवं बेहतर तरीके से क्रियान्वित करने के संबंध में प्रभारी सचिव श्री एस प्रकाश ने रेस्ट हाउस शिवरीनारायण में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे की उपस्थिति में विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने जीरो शॉर्टेज के लक्ष्य को हासिल करने धान खरीदी केन्द्रों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए।साथ ही जिले में एग्रीस्टेक अंतर्गत किसानों के पंजीयन तथा खरीदी केन्द्रों में वारदाना उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा की।

प्रभारी सचिव ने अवैध धान परिवहन रोकने गठित उड़नदस्ता दल की कार्यप्रणाली की जानकारी लेते हुए सभी दलों को सक्रिय रहकर बेहतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपार्जन

केन्द्रों में चेकलिस्ट के अनुसार आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित रखने तथा उपकरणों-मशीनों को नियमित रूप से क्रियाशील अवस्था में बनाए रखने के लिए भी निर्देशित किया। तकनीकी गड़बड़ियों का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

उन्होंने कहा कि धान खरीदी के साथ-साथ उठाव की आवश्यक तैयारी समय से कर ली जाए, ताकि खरीदी केंद्रों में जाम की स्थिति न बने और किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। नोडल अधिकारियों को अपने-अपने केंद्रों का सतत निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने तथा समिति प्रबंधकों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अन्य विभागों की भी हुई विस्तृत समीक्षा बैठक के दौरान प्रभारी सचिव ने समाज कल्याण विभाग को नशा मुक्ति कार्यक्रमों को और प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा नए नशा मुक्ति केंद्र की स्थापना हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छता अभियान सहित अन्य विभिन्न योजनाओं की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की गई।साथ ही स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं और चल रहे कार्यक्रमों की भी समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती स्निग्धा तिवारी,जांजगीर एसडीएम श्री सुब्रत प्रधान, जिला खाद्य अधिकारी श्री कौशल साहू संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

पंद्रह मिनट के लिए छात्रा संतोषी बने एसपी दो महत्वपूर्ण कार्यों का किया आदेश जारी

जांजगीर चांपा /

पंद्रह मिनट के लिए छात्रा संतोषी धीवर ने जिले की पुलिस अधीक्षक बनकर दो महत्वपूर्ण कार्यों का आदेश मातहत अधिकारी कर्मचारियों को किया है । अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर यह आयोजन पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया था जिसमे एसपी के रूप में संतोषी धीवर कक्षा 12 शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बनारी को जवाबदारी प्रदान की गई थी । इस दौरान उन्होंने स्कूल व कालेज परिसर के आस पास स्थित पान ठेला गुमटियों की दूरी को 200 मीटर से अधिक दूरी में संचालित करने का निर्देश व पुलिस लाइन की कार्यशैली का अवलोकन करते हुए टू व्हीलर वाहन की नीलामी के प्रकरण को भी वरिष्ठ कार्यालय हेतु अग्रेषित करने

का आदेश जारी किया। इस अवसर पर डीएसपी श्रीमती कविता ठाकुर व सीएसपी जांजगीर योगिताबाली खापर्डे द्वारा जिले में साइबर सुरक्षा, महिला व बच्चों की सुरक्षा व यातायात शाखा के द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस हर साल 20 नवंबर को मनाया जाता है , जिसका उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना है। यह दिन दुनियाभर के बच्चों के बीच आपसी समझ, सहयोग और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए मंच प्रदान करता है. साथ ही सरकारों और समुदायों को याद दिलाता है कि बच्चों का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल बनाना सामूहिक जिम्मेदारी है ।

आदिवासी गोड़ समाज को नशा मुक्ति आंदोलन में स्वरोजगार दिलाने में एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंची समाज और पुलिस

प्रभारी सचिव एस. प्रकाश ने जिला प्रवास के दौरान अनेक धान उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी कार्य का किया निरीक्षण

धान की गुणवत्ता, आद्रता मापी यंत्र से धान की नमी और इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन के माध्यम से धान तौलाई का किया अवलोकन

धान खरीदी केंद्र में किसान से चर्चा कर उनसे मिल रही सुविधाओं के संबंध में विस्तार से ली जानकारी

वारदाने की उपलब्धता, स्टेकिंग, भंडारण एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में ली जानकारी

जांजगीर-चांपा। प्रभारी सचिव श्री एस. प्रकाश ने जांजगीर चांपा जिले के प्रवास के दौरान कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के साथ धान उपार्जन केन्द्र अकलतरा ,तिलई , खोखरा, कुटरा ,पामगढ़, मेऊ , राहौद , खरौद, लोहर्सी , शिवरीनारायण में धान खरीदी कार्य का निरीक्षण किया। प्रभारी सचिव ने धान खरीदी केन्द्रों में किसानों से चर्चा कर उनसे मिल रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने धान की गुणवत्ता, आद्रता मापी यंत्र से धान की नमी और इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन के माध्यम से धान तौलाई का अवलोकन किया। उन्होंने किसानों से ऑनलाईन टोकन, नाप तौल, कोचियों एवं बिचौलियों के संबंध में जानकारी ली।किसान ने बताया कि धान विक्रय करने में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हो रही है। धान खरीदी केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्था की गई है। प्रभारी सचिव श्री प्रकाश ने कम्प्यूटर ऑपरेटर को दिए गए प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की तकनीकी दिक्कत होने पर उसका त्वरित समाधान करें। उन्होंने आद्रता मापी यंत्र के माध्यम से धान की नमी मापने , धान की तौलाई, वारदाने की उपलब्धता, स्टेकिंग, भंडारण एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली।

प्रभारी सचिव ने कहा कि धान खरीदी के समय स्वच्छ, सूखा एवं गुणवत्तायुक्त धान की खरीदी होना चाहिए। उन्होंने धान खरीदी केन्द्र में मोटा, पतला, सरना धान के संबंध में जानकारी ली साथ ही सभी को अलग अलग स्टेकिंग करने कहा।उन्होंने धान उपार्जन केन्द्रों में सीसीटीवी, ड्रेनेज,कम्प्यूटर सेट, प्रिंटर्स, इंटरनेट कनेक्टीविटी, श्रमिकों, भंडारण, पेयजल, प्रकाश सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। सभी समितियों में फ्लैक्स के माध्यम से किसानों को धान खरीदी के समय की जानकारी दी गई है तथा किसानों को टोकन पर्ची, किसान पुस्तिका, आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं पंजीयन की प्रति लाने संबंधी सूचना चस्पा की गई है। इस अवसर पर एसडीएम श्री सुब्रत प्रधान, श्री देवेंद्र चौधरी, श्री सुमित बघेल, जिला खाद्य अधिकारी श्री कौशल साहू , सीसीबी नोडल श्री अमित साहू, उप पंजीयक सहकारिता श्रीमती मंजू पांडेय, डीएमओ एवं अन्य अधिकारी व किसान उपस्थित रहे।

खास खबर

पूजा-अर्चना के साथ पाली में धान उपार्जन कार्य का शुभारंभ, किसानों में खुशी की लहर

कोरबा । खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए समूचे छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से धान उपार्जन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी क्रम में कोरबा जिले के पाली विकासखंड के धान उपार्जन केंद्र में पारंपरिक रीति-रिवाज़ों के साथ खरीदी कार्य का शुभारंभ किया गया। तौल मशीन और कांटा-बांट की विशेष पूजा-अर्चना के बाद औपचारिक रूप से धान खरीदी की शुरुआत की गई।

कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष पाली श्री अजय जायसवाल एवं एसडीएम पाली श्री रोहित सिंह उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने विधि-विधान से पूजा कर खरीदी कार्य को प्रारंभ कराया तथा केंद्र में पहुंचने वाले किसानों का उत्साहवर्धन किया।

पाली के किसान धनंजय कुमार इस वर्ष खरीदी केंद्र पहुंचने वाले सबसे पहले किसान रहे। उन्होंने अपने 30 क्विंटल धान के विक्रय हेतु पंजीकरण कराया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए सफल उपार्जन सत्र की कामना की।

किसानों की सुविधा के लिए केंद्र में पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। सुगम प्रक्रिया और बेहतर प्रबंध देखकर किसानों ने संतोष और प्रसन्नता व्यक्त की। धान उपार्जन के शुभारंभ के साथ ही पाली क्षेत्र के किसानों में नए उत्साह, उमंग और राहत की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

उच्च समर्थन मूल्य से उत्साहित किसान गोपाल सिंह कंवर, इस वर्ष 165 क्विंटल धान बेचने का लक्ष्य

कोरबा । कोरबा जिला के ग्राम भैसमा निवासी किसान श्री गोपाल सिंह कंवर इस वर्ष धान उपार्जन को लेकर बेहद सकारात्मक और उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष जहां उन्होंने 140 क्विंटल धान का विक्रय किया था, वहीं इस वर्ष बेहतर पैदावार और अनुकूल सरकारी नीतियों के कारण वे 165 क्विंटल धान बेचने की तैयारी में हैं। किसान गोपाल सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी फसल की कटाई प्रारंभ कर दी है और खरीदी के लिए पंजीयन भी समय पर कर लिया है। पिछले वर्ष की तरह टोकन व्यवस्था ने उन्हें बड़ी सुविधा दी, जिससे अनावश्यक प्रतीक्षा और भीड़ से राहत मिली।

खरीदी केंद्र में उपलब्ध बेहतर सुविधाओं और सुगम व्यवस्था ने भी किसानों को भरोसा और संतोष प्रदान किया है। इस वर्ष भी वे ग्राम भैसमा सोसायटी में ही अपना धान विक्रय करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा समर्थन मूल्य को बढ़ाकर 31 सौ रुपये प्रति क्विंटल करने का निर्णय सराहनीय है। इस ऐतिहासिक कदम से किसानों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास पैदा हुआ है। किसान गोपाल सिंह कंवर सहित पूरे क्षेत्र के किसान सरकार की इस पहल से बेहद प्रसन्न हैं और धान उपार्जन सत्र के प्रति आशान्वित नजर आ रहे हैं।

वरिष्ठजनों की आवाज को दी कानूनी ताकत

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं नगर निगम पालिक निगम कोरबा की संयुक्त पहल ने0-

कोरबा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के निर्देशानुसार माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम- 2007 के संबंध में सियान सदन कोरबा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वरिष्ठ नागरिकों को उनके संवैधानिक, अधिकारों, सुरक्षा कानूनों पर विस्तार से जानकारी दी गई वरिष्ठजनों ने न्यायाधीशों को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। 1- श्री जयदीप गर्ग, विशेष न्यायाधीश (ैज्दैब् ।जतवबपजपमे ।बज), 2- श्रीमती गरिमा शर्मा, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, 03-सुश्री डॉली ध्रुव, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी 04-श्रीमती सोनी तिवारी, प्रथम अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, 5- सुश्री कुमुदनी गर्ग न्यायायिक मजिस्टेज्ट प्रथम श्रेणी कोरबा, 6-सुश्री त्राप्ति-तृतीय व्यवहार न्यायिक न्यायाधीश, कनिष्ठ श्रेणी,कोरबा, 7-सुश्री ग्रेसी - प्रथम अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ श्रेणी कोरबा न्यायाधीषगण उपस्थित रहे।

श्री जयदीप गर्ग, विशेष न्यायाधीश (ैज्दैब् ।जतवबपजपमे ।बज)ने उद्बोधन में बताया कि डिजीटल गिरफ्तारी एक धोखाधडी अपराध है जिसमें कानून तोडने का झूठा आरोप लगाया जाता है जो खुद को सीमा शुल्क आयकर विभाग या केन्द्रीय जॉच अधिकारी बताते है उसके नाम पर रिहा करने फिरौती की मांग की जाती है पैसा ऐठने की कोशिश करते है। डिजीटल एरेस्ट तोडने के संबंध में बच्चों के नाम पर झूठी धमकियॉ दी जाती है बेटे ने गलती कर दी है, पैसे दे नही तो ...., पीछे से रोने-चिखने की आवाज सुनाई जाती है। इस प्रकार की घटनाये फ्रांड होती है इनसे बचना है। मुख्य उद्देश्य वरिष्ठजनों अभिभावकों को समर्थन करने वाली व्यवस्था की रचना जिसमें एक विशेष अधिकरण निर्धारित समय सीमा के अंदर भरण-पोषण के अधिकार को सुलभता और शीघ्रता से प्राप्त कर सकें। डिजीटल फ्रांड में आधार विवरण में ओटीपी बताने से बैंक खाते से पैसे गयाब हो जाते है।

श्रीमती गरिमा शर्मा, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश- अपने सारगर्भित उद्बोधन में जागरूकता और सम्मान का संदेश देकर वृद्धजनों जो समाज एवं परिवार के रीढ़ रहे जीवन शैली में बदलते परिवेश, कभी समाज से दूर महसूस करने लगते हैं सम्मान पूर्ण शब्दों में कहा - आप हमारे परिवार और समाज की नींव है जहॉ आज हम खड़े है वहॉ तक पहुॅचने में आपकी मेहनत संघर्ष की अनमोल भूमिका रही है आप हमारे आंगन की वह छाया है जिनकी बिना जीवन की धूप मे आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। मनोवैज्ञानिक सामाजिक और सुरक्षा संबंधी पहलूओं को सरल भाषा में समझाया। वरिष्ठजनों को जागरूक करना एवं उन्हें समझाना बताया आपके साथ धोखा हो रहा है या अनियमित घट रही है तो आप अकेले नहीं, हम आपके साथ हैं। आनलाईन फ्राड से बचने धोखा धडियों का उल्लेख किया जिसका शिकार वरिष्ठजन होते है जैसे काल आता कि आपकी पेंशन रोक दी जायेगी। वरिष्ठजनो के साथ किसी भी प्रकार की आर्थिक सामजिक, भावनात्मक या कानूनी परेशानी होने पर नालसा हेल्फ लाईन नम्बर- 14567 संपके करने पर समस्या सुनकर तत्काल सहायता सलाह और आवश्यकता पडने पर लोकेशन ट्रेश कर मदद प्रदान करता है।

सचिव कु. डिंपल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा द्वारा कानूनी सहयोग प्रदान करने वरिष्ठजनों को भरोसा दिलाया। आशुतोष पाण्डेय आयुक्त नगर पालिक निगम कोरबा, रामेश्वर कंवर, सुमित गुप्ता, अविनाश जायसवाल तथा अंजुला अनंत की संयुक्त टीम ने वरिष्ठजनों की आयोजित कार्यक्रम में सेवा भावना से सहयोग किया। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारियों के अलावा वरिष्ठजन क्सै। ।दक सा्कै ैर्जी सहित पैरालीगल वॉलेटियर्स रमाकांत दूबे, गोपाल चन्द्रा, सतीश यादव एवं उपस्थित रहें।

मेहनत का फल मिला : बूंदलाल ने अपनी उपज बेचकर पाई आर्थिक सुरक्षा

धान खरीदी केंद्र में सुव्यवस्थित व्यवस्था से किसानों के चेहरे पर मुस्कान

राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों के लिए जताया आभार

कोरबा, । छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत होते ही किसानों के चेहरों पर नई उम्मीद और आत्मविश्वास की चमक स्पष्ट झलकने लगा है। इसी सकारात्मक माहौल का सुन्दर दृश्य पाली विकासखण्ड के बक्साही धान उपार्जन केंद्र में देखने को मिला, जहाँ किसान बूंदलाल मरकाम ने अपनी मेहनत से उपजी फसल को सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर बेचा।

किसान बूँदलाल ने बताया कि उनके 10 सदस्यीय परिवार की आजीविका का मुख्य साधन कृषि है। उनके पास कुल 1.7760 हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिस पर वे अपने परिवार के सहयोग से खेती का कार्य करते हैं। खेती ही उनके परिवार के भरण-पोषण और आजीविका का आधार है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष उनकी खेती से लगभग 90 क्विंटल धान का उत्पादन हुआ था, जिसके विक्रय से उन्होंने परिवार के खर्चों, बच्चों की शिक्षा, तथा खेती के अन्य जरूरी कार्यों में उपयोग किया। इस आय से उनके परिवार को आर्थिक रूप से काफी सहारा मिला।

कृषक बताते हैं कि खरीदी केंद्र में व्यवस्थाएँ अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और किसान हितैषी हैं। समय पर तुलाई, बारदाने की उपलब्धता की सुचारू प्रक्रिया ने धान बेचने की प्रक्रिया को सरल और तनावमुक्त बना दिया है।

आज वे अपना 30 क्विंटल धान विक्रय करने के लिए उपार्जन केंद्र आए हैं। शेष धान कटाई कार्य पूर्ण होने पर आगे भी वे धान विक्रय करेंगें। उन्होंने बताया कि धान विक्रय हेतु उन्होंने टोकन मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त किया, जिससे उन्हें काफी सहूलियत हुई।ऑनलाइन टोकन मिलने से उन्हें न तो मंडी में अनावश्यक प्रतीक्षा करनी पड़ी और न ही किसी प्रकार की भीड़भाड़ का सामना करना पड़ा। बूँदलाल ने बताया कि ऑनलाइन व्यवस्था के चलते पूरा प्रक्रिया पारदर्शी तथा सुगम हो गई है। वे बताते हैं कि पहले टोकन व नंबर प्राप्त करने के लिए लंबी लाइनें लगती थीं, जिससे समय और मेहनत दोनों की बर्बादी होती थी। लेकिन अब मोबाइल पर ही टोकन प्राप्त हो जाने से उनका समय बचता है और वे खेत के अन्य कार्यों पर ध्यान दे पाते हैं।

प्रदेश की किसानदृहितैषी नीतियों की सराहना करते हुए किसान बूंदलाल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका कहना है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिलती है, जिससे परिवार का भरण-पोषण, अगली फसल की तैयारी और बेहतर कृषि उपकरणों में निवेश करने में मदद मिलती है।

राष्ट्र सेविका समिति कोरबा इकाई द्वारा प्रबुद्ध महिला संगोष्ठी आयोजित

कोरबा । गत 16 नवंबर को सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेण्डरी स्कूल सीएसईबी कोरबा-पूर्व बुधवारी के प्रांगण में राष्ट्र सेविका समिति की संस्थापिका लक्ष्मी बाई केलकर की पुण्यतिथि पर राष्ट्र सेविका समिति कोरबा इकाई द्वारा प्रबुद्ध महिला संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में रायपुर महानगर की बौद्धिक प्रमुख वर्षा मिश्रा ने कहा कि आज मातृशक्ति सभी क्षेत्रों में अपना डंका बजा रही है। नारी शक्ति जहां फाइटर जेट चला रही है, वहीं ट्रेन, बस चलाने के साथ-साथ आईएएस, आईपीएस जैसे ओहदों पर रह कर राष्ट्र सेवा कर रही हैं। आपरेशन सिंदूर में हमारे देश की शान और नारी शक्ति कार्नल सोफिया और एयरफोर्स की विंग कमांडर व्योमिका सिंह की बहादुरी का डंका पूरे विश्व ने देखा। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र में नारी शक्ति वंदनीय बन रही है। वक्ता के रूप में कोरबा की प्रख्यात वक्ता एवं पंचकर्म चिकित्सा विशेषज्ञ तथा युगशिल्पी कार्यकर्ता डॉ. मनीषा सिंह ने ओजस्वी उद्बोधन देखकर सबका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने मातृ शक्ति को ब्रह्मांड का सर्वोच्च शक्तिमान बताया और कहा कि मातृशक्ति के बिना पितृशक्ति की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती। आज नारीशक्ति को अपने भीतर की शक्ति और प्रतिभा को जानने और प्रदर्शित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम किसी से कम नहीं हैं, इस भाव को हर नारी को जानना होगा। हम वो शक्ति हैं, जो असंभव को संभव करने का सामर्थ्य रखते हैं। पितृशक्ति समाज में नारीशक्ति को अपनी प्रतिभा दिखानी होगी।

इतिहास गवाह है कि जब-जब नारी पर विपदा आई है, वह कभी दुर्गा बनकर तो कभी काली बनकर राक्षसों का संहार किया है।

मेहनत रंग लाई - किसान पोरा सिंह को मिली अच्छी पैदावार और बढ़ा समर्थन मूल्य बना संबल

कोरबा संवाददाता।

कोरबा जिले के ग्राम भैसमा निवासी किसान पोरा सिंह कंवर ने पिछले वर्ष अपने खेत में एचएमटी नस्ल का धान लगाया था। मेहनत के बल पर उन्हें कुल 145 क्विंटल धान का उत्पादन मिला। इस उपज को उन्होंने भैसमा उपार्जन केंद्र में बेचकर प्राप्त राशि का उपयोग घर-परिवार के जरूरी खर्चों में किया।

इस वर्ष मौसम की मेहरबानी और किसान की मेहनत का पूरा लाभ उन्हें मिला है। किसान पोरा सिंह के अनुसार इस बार वे 180 क्विंटल धान बेचने जा रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने समय पर पंजीयन भी करा लिया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किसानों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। साथ ही, 21 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से खरीदी का निर्धारण कर किसानों को बड़ी राहत दी है। इससे समूचे क्षेत्र के किसान बेहद खुश हैं। पोरा सिंह कंवर ने बताया कि पहले धान खरीदी केंद्र में बहुत लंबी लाइनों में लगना पड़ता था, लेकिन अब टोकन व्यवस्था लागू होने से किसान आसानी से धान बेच पा रहे हैं। साथ ही खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए आवश्यक सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। किसान पोरा सिंह का कहना है कि सरकार की इन पहलुओं ने किसानों को मजबूती दी है और उनकी मेहनत को उचित मूल्य मिल रहा है।

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य सुचारू रूप से संचालित

सोमवार को 57.20 क्विंटल धान की हुई खरीदी, अब तक कुल 97.20 क्विंटल धान की हुई खरीदी

कोरबा लोकशक्ति।

जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य सुचारू रूप से संचालित है। जिले के 41 सहकारी समितियों के 65 धान उपार्जन केन्द्रो में माध्यम से किसानों से धान उपार्जन किया जाएगा। जिला खाद्य अधिकारी श्री जी एस कंवर ने बताया कि सोमवार 17 नवम्बर को जिले में 2 किसानों से कुल 57.2 क्विंटल धान की खरीदी की गई। उन्होंने बताया कि पाली के बक्साही सहकारी समिति में 30 क्विंटल एवं उतरदा समिति में 27.20 क्विंटल धान खरीदी हेतु टोकन जारी किया गया है।

श्री कंवर ने बताया कि धान खरीदी के पहले दिन से अब तक जिले में 4 किसानों से कुल 97.20 क्विंटल धान का विक्रय हुआ है। समितियों में आज हुई खरीदी में किसान सुबह से ही धान खरीदी केन्द्रों में पहुँच गए थे। उपार्जन केन्द्रों में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा उन्हें फूलमाला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। धान का नाप-तौल कर धान खरीदी की कार्यवाही की गई। धान विक्रय हेतु आए किसानो में अपने उपज की समर्थन मूल्य में बिक्री होने पर बहुत ही प्रसन्नचित नजर आ रहे थे। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने धान खरीदी कार्य सफलतापूर्वक संपन्न करने हेतु पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए है। धान खरीदी केन्द्रों में अपने धान की बिक्री हेतु पहुँचने वाले किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उनके लिए शुद्ध पेजयल, छांव, बैठक इत्यादि के अलावा शौचालय आदि की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

अवैध धान आवक-विक्रय के पर्यवेक्षण हेतु तहसील स्तरीय जांच दल गठित

कोरबा, (आरएनएस)।

कलेक्टर द्वारा धान खरीदी केंद्रों में अन्य राज्यों के अवैध धान की आवक/विक्रय के रोकने के लिए एवं कोचिंयों/बिचैलियों से अवैध धान खरीदी पर सतत् निगरानी रखने हेतु तहसील स्तरीय जांच दल का गठन किया गया है।

जारी आदेष के अनुसार अनुविभाग कोरबा अंतर्गत तहसील कोरबा हेतु जांच दल में तहसीदार बजरंग साहू, नायब तहसीलदार सविता सिदार और सहकारिता निरीक्षक जी.आर.भतरा षामिल हैं। इसी प्रकार तहसील भैंसमा हेतु जांच दल में तहसीलदार के.के.लहरे, नायब तहसीलदार मधुसुदन, खाद्य निरीक्षक रवि कुमार राज और सहकारिता विस्तार अधिकारी सुभद्रा सिदार शामिल हैं। तहसील अजगरबहार हेतु तहसीलदार लीलीधर ध्रुव, नायब तहसीलदार विमल खांडेकर और वरिष्ठ सहकारिता निरीक्षक संतोष कुमार कंवर जांच दल में शामिल हैं। करतला तहसील हेतु तहसीलदार राहूल पाण्डेय, नायब तहसीलदार देवेन्द्र कुमार और सहकारिता निरीक्षक एल.एन.जायसवाल को जांच दल में शामिल किया गया है। तहसील बरपाली हेतु तहसीलदार सत्यपाल प्रताप राय, नायब तहसीलदार जानकी काठले, खाद्य निरीक्षक पारण सोलंकी और सहकारिता निरीक्षक एच.के.चैहान जांच दल में शामिल है।

अनुविभाग कटघोरा अंतर्गत तहसील कटघोरा हेतु जांच दल में तहसीलदार सूर्यप्रकाष केषकर, नायब तहसीलदार अमरदीप अंचल और खाद्य निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार लांझी शामिल है। तहसील दीपका हेतु तहसीलदार अमित केरकेट्टा, नायब तहसीलदार बंदेराम भगत और सहकारिता निरीक्षक सुस्मिता लकड़ा को जांच दल में शामिल किया गया है। तहसील दर्री हेतु तहसीलदार प्रियंका चन्द्रा, नायब तहसीलदार चंद्रभूषण चंद्रा और खाद्य निरीक्षक उर्मिला गुप्ता जांच दल में शामिल हैं।

अनुविभाग पाली अंतर्गत तहसील पाली हेतु जांच दल में तहसीलदार भूषण सिंह मंडावी, नायब तहसीलदार राषिका अग्रवाल और खाद्य निरीक्षक संतोष कंवर शामिल हैं। तहसील हरदीबाजार हेतु तहसीलदार अभिजीत राजभानू, नायब तहसीलदार संदीप गुप्ता और सहकारिता निरीक्षक भूपेन्द्र साहू को जांच दल में शामिल किया गया है।

अनुविभाग पोंड़ीउपरोड़ा अंतर्गत तहसील पोंड़ी उपरोड़ा हेतु तहसीलदार विनय देवांगन, नायब तहसीलदार सुमनदास मानिकपुरी, सहायक खाद्य अधिकारी सरोज उरेती और सहकारिता निरीक्षक जी.डी.पाण्डेय को जांच दल में शामिल किया गया है। तहसील पसान हेतु जांच दल में तहसीलदार विरेन्द्र कुमार, नायब तहसीलदार धनेश्वर चंद्रा और वरिष्ठ सहकारिता निरीक्षक दीपक कंवर शामिल हैं।

गठित जांच दल द्वारा मंडी अधिकारियों के द्वारा धान खरीदी प्रारंभ होने के पूर्व गांव एवं शहरी इलाकों में चिल्हर रूप से धान खरीदी करने वाले कोचियों एवं बिचैलियों का चिन्हांकन कर सूची जांच दल को उपलब्ध कराई जाए। इन कोचियों एवं बिचैलियों के द्वारा समिति में धान लाकर अन्य किसानों के पंजीयन में धान खपाने का प्रयास करने पर उनका वाहन एवं धान जप्ती कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाए।

धान खरीदी में अवैध विक्रय, अवैध परिवहन, अवैध संग्रहण आदि संबंधी अनियमतिता के प्रकरण दर्ज किए जाने पर उसका प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाए, इस प्रकार की अनियमितता गतिविधियों पर रोक लग सके। मंडी सचिव, कृषि उपज मंडी समिति कटघोरा जांच दलों से संपर्क कर की गई कार्यवाही का संकलित जानकारी जिला खाद्य कार्यालय कोरबा को प्रतिदिन शाम 05 बजे उपलब्ध कराएंगे ताकि ऑनलाइन विभागीय वेबसाइट में प्रविष्टि की जा सके।

एसटी, एससी व ओबीसी वर्ग के छात्रों से पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 तक

कोरबा संवाददाता

जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआइ एवं डाईट आदि के प्राचार्य, संस्था प्रमुख, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं संस्थान में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के ऐसे विद्यार्थी जो राज्य शासन द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं उन्हे सूचित किया गया है कि शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण कार्यवाही वेबसाइट पदपर ऑनलाईन की जा रही है।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा ने बताया कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2025-26 छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन/पंजीयन (नवीन/नवीनीकरण) हेतु अंतिम तिथि 30 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है। नवीनीकरण हेतु विद्यार्थियों द्वारा आनलाइन आवेदन प्राप्ति तिथि क्रमषः 31 मई तक, 31 अगस्त तक एवं 30 नवंबर 2025 तक निर्धारित की गई है। नवीन हेतु विद्यार्थियों द्वारा आनलाइन आवेदन प्राप्ति तिथि 31 अगस्त, 30 सितंबर एवं 30 नवंबर 2025 निर्धारित है। सहायक आयुक्त ने बताया कि निर्धारित तिथि के पश्चात् शिक्षा सत्र 2025-26 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाईन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जायेगा एवं ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक एवं सेक्शन ऑर्डर लॉक करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जाएगा। निर्धारित तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित संस्थाओं के विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वतः जिम्मेदार होंगे। छात्रवृत्ति का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से किया जा रहा है।

खनिज के अवैध उत्खनन व परिवहन के मामले में कार्रवाई

रायपुर। राज्य शासन के मंशानुरूप राज्य में खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर कड़ाई से रोक लगाने तथा इसमें सलिप्त लोगों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के उद्देश्य से कोरिया जिले में खनिज विभाग की टीम द्वारा लगातार जांच-पड़ताल की कार्रवाई की जा रही है।

इसी सिलसिले में 11 नवम्बर से 19 नवम्बर तक बैकुण्ठपुर एवं पटना तहसील क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान बिना टीपी के खनिजों का अवैध परिवहन करते हुए 7 वाहनों के जब्ती की कार्रवाई की गई। जिसमें ट्रैक्टर, जेसेबी, मिनी ट्रक आदि शामिल हैं। सभी वाहनों को समीपस्थ थाना पटना एवं चरचा थाना में रखा गया है तथा उनके मालिकों के विरूद्ध मुरम एवं रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामले में प्रकरण दर्ज किया गया है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर बस्तर सांसद महेश कश्यप के नेतृत्व में यूनिटी मार्च का आयोजन

बीजापुर । भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर बीजापुर जिले में बस्तर सांसद महेश कश्यप के नेतृत्व में यूनिटी मार्च का भव्य आयोजन किया गया। यह मार्च जिले में राष्ट्रीय एकता और अखंडता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से किया गया।यूनिटी मार्च का शुभारंभ बीजापुर के आराध्य देव चिकट राज के परिसर से किया गया। इसके बाद दुर्गा मंदिर में अल्प विराम लेते हुए यह मार्च एजुकेशन सिटी स्थित नवोदय विद्यालय परिसर में पहुँचा, जहाँ सांसद महेश कश्यप सहित जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित नागरिकों ने स्वच्छता अभियान चलाकर कार्यक्रम का समापन किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद महेश कश्यप ने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण और अखंड भारत की अवधारणा में उनके अद्वितीय योगदान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प, संगठन कौशल और राष्ट्रीय एकता के प्रति उनके समर्पण से नई पीढ़ी को सीख लेनी चाहिए।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक तथा स्कूली विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान सभी ने सरदार पटेल की राष्ट्रवादी सोच और एकता के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

विश्व टॉयलेट डे पर सुलभ शौचालय में जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छता के संकल्प के साथ संपन्न

जगदलपुर,। विश्व टॉयलेट डे के अवसर पर आज शहीद पार्क के पास स्थित सुलभ शौचालय परिसर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महापौर संजय पाण्डे के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित शौचालयों के महत्व को नागरिकों तक पहुंचाते हुए स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर नगर निगम टीम और नागरिकों ने स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान महापौर संजय पाण्डे ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ एवं सुरक्षित शौचालय किसी भी स्वस्थ समाज की बुनियाद होते हैं। उन्होंने कहा कि साफ-सुथरे शौचालय न केवल बीमारियों से बचाते हैं, बल्कि नागरिकों की गरिमा, सुरक्षा और सुविधा से भी गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने सभी को स्वच्छता को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।इस अवसर पर नगर निगम की टीम द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया। शौचालयों की साफ-सफाई, रखरखाव और दैनिक स्वच्छता के महत्व पर नागरिकों को जानकारी दी गई। इसके साथ ही स्वच्छता संबंधी संदेशों का प्रसार कर लोगों को जागरूक किया गया। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए नगर निगम के प्रयासों की प्रशंसा की और स्वच्छ जगदलपुर बनाने में सहयोग का संकल्प लिया।कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वच्छता को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में नगर निगम के एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, अनिल सामंत, पंकज आचार्य, योगेश पाण्डे सहित श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड के सदस्य रामू भारतीया, पल्लव दातारकर, अनेश कश्यप, लता बेसरा, नमिता कश्यप, रोहित बेहरा, विशाल गुप्ता, तामेश्वरी साहू, साक्षी सिंह, नेहा सिंह, रितु यादव, रीना नेताम, दिव्या, रेशमा बघेल, अंजली सेन और पायल उपस्थित रहे।

वनवासियों की आय बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री रूप साय सलाम और उपाध्यक्ष श्री यज्ञदत्त शर्मा के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नए दायित्वों के लिए अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में हुए शामिल। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में श्री सलाम को एक अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसे वे अपनी संवेदनशीलता, अनुभव और दक्षता के साथ उत्कृष्ट रूप से निभाएंगे। उन्होंने उल्लेख किया कि श्री सलाम स्वयं जनजातीय समुदाय से आते हैं और समुदाय की समस्याओं, अपेक्षाओं एवं आवश्यकताओं को भली-भांति समझते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनवासियों की आय बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रदेश में निवासरत जनजातीय समाज के उत्थान को दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। साथ ही केंद्र में अलग जनजातीय मंत्रालय की स्थापना से समुदाय के विकास को नई गति मिली। उन्होंने कहा कि हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी भावना और संकल्प को आगे बढ़ाते हुए 'धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना' तथा 'पीएम जनमन योजना' लागू की, जिनके माध्यम से जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्राहकों को देश में सर्वाधिक मूल्य दिया जा रहा है। वनोपजों के वैल्यू एडिशन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि वनवासी समुदाय की आय में वृद्धि हो और उन्हें वास्तविक आर्थिक मजबूती प्राप्त हो। वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि यह प्रदेश का सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़ के मुखिया श्री विष्णु देव साय स्वयं जनजातीय समुदाय से आते हैं और वनवासी भाई-बहनों की पीड़ा, कठिनाइयों और आकांक्षाओं को गहराई से समझते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की 32त्न आबादी जनजातीय है तथा 44त्न क्षेत्र वनाच्छादित है, इसलिए वनोपज ही वनवासियों की आजीविका का प्रमुख स्रोत है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता को 'हरा सोना' कहा जाता है और उसके अनुरूप मूल्य देने का कार्य मुख्यमंत्री श्री साय ने किया है। तेंदूपत्ता का प्रति मानक बोरा मूल्य 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है।वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने न केवल चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ किया है, बल्कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वनोपज संग्राहक परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के लिए प्रभावी कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

जिले में अब तक 12 हजार क्विंटल धान की हो चुकी है खरीदी

कोण्डागांव, । जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य जारी है। अब तक जिले के 67 समितियों के उपार्जन केन्द्रों में से 26 केन्द्रों में 12 हजार 369 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। जिले के किसान अपना धान बेचने के लिए मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाईन टोकन कटा सकते हैं साथ ही समितियों के माध्यम से भी टोकन जारी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप जिले के सभी धान उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। सभी केन्द्रों में पारदर्शी ढंग से धान खरीदी संपन्न कराने के लिए ऑनलाईन टोकन, इलेक्ट्रानिक तौल यंत्र, आर्द्रतामापी यंत्रों सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने वाटरशेड महोत्सव वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

धमतरी, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज धमतरी में आयोजित कार्यक्रम में वाटर शेड महोत्सव वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर आमजनों को जल संरक्षण के संबंध में जागरूक करेगा। इस दौरान उन्होंने कृषि यांत्रिक करण मिशन अंतर्गत 8 किसानों को शक्तिचलित यंत्र ट्रेक्टर, रिपर, पॉवरटिलर, हैरो, ड्रीप इत्यादि कृषि यंत्र प्रदान किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन देवांगन, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, राजस्व मंत्री जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल।

सैन्य भर्ती से संबंधित एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

धमतरी। धमतरी कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में सैन्य भर्ती से संबंधित एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन 17 नवम्बर 2025 को दो पालियों में हुआ, जिसमें जिले एवं आसपास क्षेत्र के सैकड़ों युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रथम पाली का आयोजन बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी में किया गया। यहाँ सैन्य भर्ती की तैयारी कर रहे 214 प्रतिभागियों ने सहभागिता दर्ज की,सेना भर्ती कार्यालय रायपुर से आए मुख्य वक्ता ए.आर.ओ. रूबेश कुमार ने प्रतिभागियों को आगामी जनवरी माह में होने वाली सेना भर्ती से संबंधित शारीरिक परीक्षण, मेडिकल टेस्ट, दस्तावेज परीक्षण,छूट, बोनस अंकों आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने उपस्थित युवाओं के सभी प्रश्नों का समाधान भी किया। द्वितीय पाली में सेमिनार का आयोजन सुखराम नागे शासकीय महाविद्यालय, नगरी में किया गया, जहाँ वनांचल क्षेत्र के युवाओं को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस सत्र में नगरी ब्लॉक के 242 प्रतिभागियों ने सैन्य भर्ती एवं अग्निवीर योजना से संबंधित समस्त प्रक्रियाओं को विस्तार से समझा तथा विषय विशेषज्ञों से अपने संदेह दूर किए। सेमिनार को जिला खेल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्री पीयूष तिवारी ने कहा कि इस प्रकार का आयोजन युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा भरता है तथा उन्हें सही दिशा प्रदान करता है।

सचिव हिमशिखर गुप्ता ने सारंगढ़ इलाके में धान खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण

रायपुर। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के प्रभारी सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता ने आज सारंगढ़ विकासखंड का दौरा कर खरीदी केन्द्र कनकबीरा और सालर में पहुंचकर वहां धान की खरीदी और केन्द्र में किसानों की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित किसानों से सीधे संवाद कर सुविधाओं, प्रक्रियाओं और समिति की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। सचिव श्री गुप्ता ने सहायक आयुक्त सहकारिता को निर्देशित किया कि किसानों को समिति में सदस्यता लेने तथा भूमि के अनुसार राशि निवेश करने के लिए प्रेरित करें और निर्धारित लक्ष्य समय पर पूर्ण करें। उन्होंने धान खरीदी केन्द्र में पहुंचे किसानों प्रदीप पटेल और जगतराम चौहान से खरीदी व्यवस्था, धान की किस्म और मिल रही सुविधाओं पर चर्चा की। केन्द्र में धान की नमी जांच निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए जाने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया और धान की किस्म के अनुसार पृथक स्टैकिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने समिति प्रबंधक को निर्धारित प्रक्रिया अनुसार श्रमिकों का भुगतान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इस दौरान

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे, पुलिस अधीक्षक श्री आंजनेय वार्ष्णेय सहित अन्य जिला अधिकारी व किसान मौजूद थे।

मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले में अब तक 5,090 क्विंटल धान की हुई खरीदी । खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य 15 नवंबर से जिले में सुचारू रूप से प्रारंभ हो गया है। मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले की 19 सेवा सहकारी समितियों के 27 धान उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संचालित की जा रही है। जहां अब तक 148 किसानों द्वारा कुल 5,090 क्विंटल धान का विक्रय किया जा चुका है। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के मार्गदर्शन में प्रत्येक धान उपार्जन केंद्र में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इनका दायित्व अवैध धान की खरीद-बिक्री पर रोक लगाना तथा पूरी प्रक्रिया पर निगरानी बनाए रखना है।साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारी - कर्मचारियों की संयुक्त टीम द्वारा उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण लगातार किया जा रहा है, जिससे खरीदी प्रक्रिया को पूर्णतः जिला प्रशासन की सतत निगरानी के कारण इस वर्ष धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ी है।

छत्तीसगढ़ में पटवारी से आरआई बने अधिकारियों के घर एसीबी/ईओडब्ल्यू की दबिश

प्रदेश में 20 से ज्यादा स्थानों पर ईओडब्ल्यू की दबिश

परीक्षा में बड़े स्तर पर धांधली की शिकायत मिली थी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पटवारी से राजस्व निरीक्षक अधिकारी बनने की परीक्षा में भारी धांधली की शिकायत पर एसीबी/ईओडब्ल्यू की बुधवार को कार्रवाई की है। जांच अधिकारियों की विशेष टीमों ने बुधवार सुबह प्रदेश में 20 से अधिक स्थनों पर दबिश दी है। छापे की कार्रवाई से राजस्व विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

प्रदेश में पटवारी से राजस्व निरीक्षक (आरआई) बने अधिकारियों के घर बुधवार सुबह एसीबी/ईओडब्ल्यू की ताबड़तोड़ दबिश और कार्रवाई शुरू हो गई। प्रदेशभर में 20 से ज्यादा स्थानों पर यह बड़ी कार्रवाई जारी है। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, अंबिकापुर, जगदलपुर, गरियाबंद, महासमुंद सहित कई प्रमुख शहरों में टीमों ने एक साथ छापेमार कार्रवाई की है।

सूत्रों के मुताबिक पटवारी से आरआई बनने की परीक्षा में बड़े स्तर पर धांधली की शिकायत सामने आई थीं। यह मामला विधानसभा में भी जोरदार तरीके से उठा था, जिसके बाद सरकार ने इसे गंभीरता से लेते हुए जांच एजेंसियों को कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

जांच पूरी होने के बाद बड़ा खुलासा होने की संभावना

एसीबी/ईओडब्ल्यू की विशेष टीमों ने बुधवार सुबह-सुबह अधिकारियों के घर दस्तक देकर दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और संदिग्ध लेन-देन से जुड़े सबूत खंगालने शुरू कर दिए हैं। कई जगह आय से अधिक संपत्ति और परीक्षा से जुड़े सामग्री भी मिलने की जानकारी सामने आ रही है।

अधिकारियों का कहना है कि पूरी कार्रवाई परीक्षा प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी, मिलीभगत और भ्रष्टाचार की शिकायतों के आधार पर की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद बड़ा खुलासा होने की संभावना है। छापेमारी के कारण प्रदेशभर में राजस्व विभाग के कई अफसरों में हड़कंप की स्थिति है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री दुर्गा दास उइके ने जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जनजातीय गौरव दिवस 2025 के उपलक्ष्य में सरगुजा जिले के अंबिकापुर में 20 नवंबर को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम की अंतिम तैयारियों का जायजा लेने बुधवार को केन्द्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार श्री दुर्गा दास उइके, राज्य सरकार के आदिमजाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, वन मंत्री श्री केदार कश्यप के साथ कार्यक्रम स्थल पी जी कॉलेज ग्राउण्ड पहुंचे। इस दौरान मंच व्यवस्था, अतिथियों एवं आमजनों हेतु बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, स्टॉल, शिल्पग्राम सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने यातायात नियंत्रण, पार्किंग,

वीआईपी मूवमेंट, मीडिया प्रबंधन, विद्युत, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा एवं आपात सेवाओं से संबंधित व्यवस्थाओं के सम्बंध में भी जानकारी ली।

सभी मंत्रियों ने कार्यक्रम स्थल का मुआयना किया और शिल्पग्राम का भी अवलोकन किया । सभी ने शिल्प ग्राम में जनजातीय शिल्प कला, परम्परागत जड़ी-बूटियों से इलाज, हथकरघा से बनी साड़ी और कपड़े सहित बांसकला से बनी कलात्मक वस्तुओं का अवलोकन कर तारीफ़की। इस दौरान सभी मंत्रियों ने आस पास से आए जनजातीय शिल्पकारों एवं कलाकारों से भी मुलाकात की।

सुरक्षा व्यवस्था, स्टॉल, शिल्पग्राम सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने यातायात नियंत्रण।

मनेंद्रगढ़ ब्लॉक के पांच धान उपार्जन केंद्रों में हुई जोरदार शुरुआत, किसानों में उमंग

एमसीबी । खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का सीधा लाभ अब गांव-गांव के किसानों तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रति एकड़ 21 क्विंटल और प्रति क्विंटल 3100 रुपये की दर से धान खरीदी की घोषणा किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं साबित हो रही है। इसी क्रम में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के मनेंद्रगढ़ ब्लॉक में धान उपार्जन के दूसरे दिन पांचों केंद्रों में खरीदी की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। सभी केंद्रों में पूजा-अर्चना के बाद जैसे ही तौल मशीनें चलीं, किसानों के चेहरों पर संतोष और प्रसन्नता झलक उठी। शासन की पारदर्शी प्रक्रिया, कड़ी निगरानी और बेहतर प्रबंधन के कारण सभी उपार्जन केंद्रों में खरीदी सुचारू रूप से संपन्न हुई। केल्हारीः- केल्हारी उपार्जन केंद्र में सहायक नोडल अधिकारी ओम प्रकाश श्रीवास, प्रभारी सरस्वती गुप्ता और सहायक प्रभारी राम प्रताप सिंह की देखरेख में खरीदी पारदर्शी ढंग से हुई। यहां सेमरिया के लक्ष्मण प्रसाद साहू ने 35.20 क्विंटल, बिछिया टोला के गिरजा प्रसाद साहू ने 50 क्विंटल, गंगाराम ने 50 क्विंटल, केल्हारी के गुलशेर ने 40 क्विंटल और त्रिभुवन नारायण सिंह ने 99.60 क्विंटल धान विक्रय किया। डोडकीः- डोडकी केंद्र में तहसीलदार सतरूपा साहू, प्रभारी दीपक खलखो और सहायक प्रभारी राजकुमार सेन्द्राम की निगरानी में खरीदी पूरी निष्पक्षता के साथ हुई। यहां बलरसिया निवासी किसान ने 7.20 क्विंटल और डोडकी के जगदीश सिंह गोंड ने 40 क्विंटल धान बेचा। कछौड़ः- कछौड़ उपार्जन केंद्र में खरीदी प्रभारी राकेश तिवारी, सहायक प्रभारी संजय अमलेश, शिवचरण सिंह, ऑपरेटर विशाल, बरदाना प्रभारी सोहन यादव और रोजगार सहायक मदन की टीम ने व्यवस्था संभाली। यहां ताराबहरा/शिवगढ़ निवासी सुरेश श्रीवास्तव ने 54.40 क्विंटल धान बेचा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)